दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 258 | ग्वालियर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

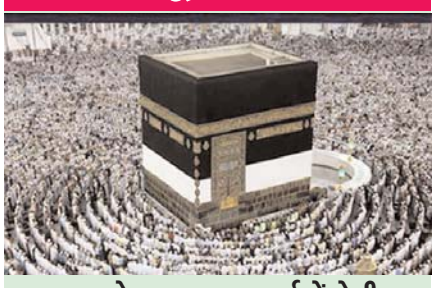

क्या अगले साल जून-जुलाई में होगी हज यात्रा? केंद्रीय मंत्री नकवी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि हज-2021 कोरोना से जुड़े राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अगले साल हज के बारे में अंतिम फैसला किया जाएगा। मुख्तार अब्बास नकवी ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हज-2021 को लेकर समीक्षा बैठक के बाद कहा कि हज के लिए आवेदन की तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। अगला हज जून-जुलाई में होना है, पर कोरोना को लेकर दिशानिर्देशों के बाद अंतिम फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब सरकार की तरफ से हज के संबंध में फैसला होने के बाद आवेदन करने और अन्य प्रकिया को लेकर औपचारिक घोषणा की जाएगी। नकवी ने कहा कि कहा कि कोरोना महामारी के चलते दिशानिर्देशों की वजह से हज व्यवस्थाओं में बदलाव आ सकता है। इन बदलावों में भारत और सऊदी अरब में आवास, यातायात, स्वास्थ्य एवं अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं।

2100 करोड़ बिना किसी कटौती के वापस-मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कोरोना के चलते हज यात्रियों की सलामती सरकार की प्राथमिकता है। भारत सरकार एवं अन्य संबंधित एजेंसियां इस दिशा में आवश्यक इंतजाम करेंगी। कोरोना महामारी की वजह से हज 2020 पर नहीं जा पाने वाले एक लाख 23 हजार लोगों के 2100 करोड़ रुपये बिना किसी कटौती के डीबीटी के माध्यम से वापस कर दिए गए हैं। सऊदी अरब सरकार ने भी 2018-19 का हज यात्रियों के यातायात का लगभग 100 करोड़ रुपये वापस किया है।

कोरोना वार्ड में पीपीई किट में डांस करते हुए डॉक्टर का वीडियो हुआ वायरल, ऋतिक रोशन भी हुए कायल

नई दिल्ली। कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों को कोरोना योद्धा नाम दिया गया है। ऐसे में ये योद्धा खुद की जान को जोखिम में डालकर कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे हैं। कोरोना मरीजों के बीच खुद और कोरोना संक्रमितों को टेंशन फ्री रखने के लिए ये डॉक्टर क्या-क्या करते हैं इसका एक अच्छा उदाहरण सामने आया है। दरअसल, असम के सिलचर मेडिकल कॉलेज में अपनी सेवा दे रहे एक डॉक्टर का बॉलीवुड सॉन्ग पर डांस करते हुए वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में आप देख सकते है कि डॉक्टर पीपीई किट पहने हुए बॉलीवुड सॉन्ग पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। डॉक्टर का वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने कमेंट्स भी किए हैं। इसमें बॉलीवुड के एक्टर ऋतिक रोशन भी शामिल हैं। जिस डॉक्टर का डांस वीडियो वायरल हुआ है उसका नाम अरूप सेनापति बताया जा रहा है। ऋतिक रोशन ने डॉक्टर के वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है कि मुझे उनके डांस स्टेप सीखना है। बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ जब कोरोना संक्रमित मरीजों को टेंशन फ्री रखने के लिए डॉक्टर उनके साथ या फिर उनके सामने डांस करते हुए नजर आए हैं। इससे पहले भी इस तरह के कई वीडियो सामने आ चुके हैं।

राजद ने अपना एक और प्रचार गीत जारी किया भैया तेजस्वी हमार, हमनी के प्यारा लागे लन

पटना। राजद ने रविवार को अपना एक और प्रचार गीत जारी किया। पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव में अपने प्रचार अभियान को तेजस्वी भव-बिहार टैग लाइन दिया है। प्रचार अभियान के केंद्र में नेता प्रतिपक्ष और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में तेजस्वी प्रसाद यादव को ही रखा गया है। रविवार को जारी किए गए प्रचार गीत के वीडियो में भी तेजस्वी को बिहार की माटी के लाल और जनता के सच्चे सेवक के रूप में पेश किया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के लिए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने पिछले पांच वर्षों में नीतीश सरकार की उपलब्धियों पर केन्द्रित अपने दो अभियान गीत जारी किया। रविवार को जदयू के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी द्वारा परखा है जिसको, चुनेंगे उसी को और आओ बताएं एक कहानी अपने राज्य बिहार की शीर्षक गीतों को लॉन्च किया गया। राज्य के मतदाताओं तक पहुंचने की अपनी रणनीति के तहत पटना में ये गीत जारी किये गये। इन कर्णप्रिय गीतों के माध्यम से बिहार की बदली तस्वीर और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश हुई है। साथ ही इन अभियान गीतों के माध्यम से दल ने बिहार की जनता से एकबार फिर नीतीश कुमार को पूर्ण बहुमत देने की अपील की गई है।

फर्जी फेसबुक पर झूठी कहानी गढ़कर लोगों को ठगने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मध्य प्रदेश से एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो किसी व्यक्ति के विवरण का इस्तेमाल कर उनके नाम से फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाता था और उनके परिवार वालों और दोस्तों से पैसे मांगता था। उसके शिकार लोगों में एक आईपीएस अधिकारी भी पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के सतना जिले के निवासी मुन्नालाल मवासी के तौर पर हुई है। 49 वर्षीय शख्स अपने गांव में पशु चिकित्सक के तौर पर काम करता था और बाद में वह अंतरराष्ट्रीय विपणन निगम (आईएमसी) में शामिल हो गया था। पुलिस ने बताया कि जल्दी पैसा कमाने के लालच में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों को ठगना शुरू किया। वह किसी शख्स के नाम से फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाता और उनके दोस्तों और परिवार वालों से आपात स्थिति का हवाला देकर पैसे मांगता।

चिराग पासवान को मोदी कैबिनेट में नहीं किया जाए शामिल

जेडीयू ने बीजेपी पर बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली। बिहार में जद (यू) व लोजपा के बीच घमासान कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इन दोनों दलों के बीच फंसी भाजपा की उलझन भी लगातार बढ़ती जा रही है। जद (यू) ने अब भाजपा पर यह दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है कि केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई सीट लोजपा को न दी जाए और मंत्रिमंडल में भी चिराग को शामिल न किया जाए। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के भीतर सीटों के बंटवारे पर विवाद के चलते लोजपा ने गठबंधन से बाहर जाकर अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। लोजपा नेता चिराग पासवान का पूरा जोर जद (यू) के खिलाफ है। वह खुलेआम नीतीश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। ऐसे में भाजपा को गठबंधन में सहयोगी जद (यू) के दबाव में लोजपा के खिलाफ सख्ती बरतनी पड़ रही है।

भाजपा ने लोजपा को वोट कटवा तक करार दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो इस्तेमाल न करने की चेतावनी भी दे डाली है।

नरम नहीं पड़ रहे चिराग-इसके बाद भी चिराग पासवान के तेवर नरम नहीं पड़े हैं और वह जद (यू) के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान बता चुके चिराग अभी भी भाजपा के साथ अपनी करीबी बताने में नहीं चूकते हैं। हालांकि इससे जद (यू) की परेशानी बढ़ रही है और वह भाजपा पर लोजपा से केंद्र में भी संबंध तोड़ने का दबाव बढ़ा रही है। रामविलास पासवान के निधन से खाली हुई राज्यसभा सीट को लेकर भी जद (यू) का कहना है कि अब वह लोजपा को नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं जद (यू) यह भी चाहती है कि रामविलास पासवान की जगह उनके बेटे चिराग पासवान को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल भी न किया जाए। ऐसा होने पर लोजपा का राजग से पूरी तरह बाहर होना जय हो जाएगा।

भाजपा ने चुप्पी साध रखी

हालांकि भाजपा ने फिलहाल जद (यू) के इस तरह के दबाव पर चुप्पी साध रखी है। वह इस पूरे मामले को बिहार के विधानसभा चुनाव तक सीमित रखना चाहती है और नतीजे आने के बाद वह अपनी भावी रणनीति तय करेगी।

बीजेपी ने जारी की लालू राज की डिक्शनरी, क से क्राइम, ख से खतरा और ग से गोली...

पटना। विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार में विपक्षी पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने में पीछे नहीं हट रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा के आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर सोमवार को एक ट्वीट किया गया है, जिसमें लिखा गया है कि 1990 के दशक में लालू यादव के राज में बिहार में तैयार हुई एक भयानक डिक्शनरी! क से क्राइम, ख से से खतरा, ग से गोली... याद है नारा से रंगदारी, ज से जंगलराज, द से दादागिरी। बिहार की जनता को इस डिक्शनरी के ज्ञान को न ही फिर से जानना है, न ही पढ़ना है। भाजपा ने लालू प्रसाद की पार्टी राजद का भी मतलब समझाया है। लालू राज में रा से रंगदारी, ज से जंगलराज और द से दादागिरी होता है। भाजपा ने कहा है कि बिहार की जनता को इस डिक्शनरी के ज्ञान को न ही फिर से जानना है, न ही पढ़ना है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी लगातार अपने चुनावी सभाओं में राजद और लालू प्रसाद पर लगातार हमला कर रहे हैं।

100 से अधिक लोगों के जुटने पर लगेगा 10 हजार रुपए जुर्माना, केस भी दर्ज होगा

जयपुर। राजस्थान सरकार ने नया आदेश जारी करते हुए कहा है कि 100 से अधिक लोगों के कहीं एकत्रित होने पर 10 हजार रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा केस भी दर्ज किया जाएगा। राजस्थान सरकार ने इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है। राजस्थान महामारी विधेयक, 2020 के तहत राज्य के गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जो लोग जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना किसी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या अन्य किसी तरह के जनसमूह, शादी या अंतिम संस्कार को छोड़कर, आम आयोजन करेंगे, उन पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि 10 हजार रुपए का जुर्माना उन लोगों पर भी लगाया जाएगा जो पूर्व में स्वीकृति के साथ कार्यक्रम का आयोजन करेंगे, लेकिन सोशल डिस्टेंशिंग का पालन ना किया जा रहा हो, लोगों ने मास्क नहीं पहना हो, स्कीनिंग की व्यवस्था ना हो या शामिल हुए लोगों की संख्या 100 से अधिक हो। राज्य सरकार ने सभी एग्जीक्युटिव मजिस्ट्रेट्स, जिला परिषद के चीफ एग्जीक्युटिव ऑफिसर्स और ब्लॉक डिवेलपमेंट ऑफिसर्स को उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई को अधिकृत किया है जो महामारी अधिनियम के गाइडलाइंस का पालन नहीं करेंगे। भरतपुर जिला पुलिस ने रविवार को गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक किरोड़ी सिंह बैंसला सहित 33 गुर्जर नेताओं के खिलाफ कोरोना गाइडलाइंस के

उल्लंघन का केस दर्ज किया। नेताओं के खिलाफ आईपीसी और डिजास्टर मैनेजमेंट ऐक्ट 2005, राजस्थान महामारी अधिनियम 2020 की धाराओं 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश देने की अवज्ञा), 269 (लापरवाही, जिससे संक्रमण फैलने की संभावना हो) 270 (घातक काम जिससे जीवन के लिए खतरनाक बीमारी के संक्रमण को फैलाने की संभावना हो) के तहत केस दर्ज किया गया।

चीनी सैनिक को लौटाएगा भारत, ड्रैगन बोला- आक्रमता में कमी अच्छे संकेत

बीजिंग। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सैनिक को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में सोमवार को उस समय पकड़ लिया गया जब वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भटक कर भारतीय क्षेत्र में आ गया था। सेना ने बताया कि चीनी सैनिक की पहचान कॉर्पोरल वांग या लान्ग के रूप में की गई है। उसे ऑक्सीजन, भोजन और गर्म कपड़े सहित जरूरी चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ के बाद मौजूदा प्रक्रिया के तहत उसे चीन के हवाले कर दिया जाएगा। दोनों देशों के बीच मई में शुरू हुए गतिरोध के बाद भारत और चीन ने डेमचोक सेक्टर सहित पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर 50,000 से अधिक सैनिक तैनात किए हैं। सेना ने कहा कि चीनी सैनिक को सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सौंप जाएगा। भारतीय सेना ने एक बयान में बताया, पीएलए सैनिक की पहचान

कॉर्पोरल वांग या लान्ग के रूप में हुई है और एलएसी पर भटक जाने के बाद उसे 19 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में पकड़ा गया इस बीच चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने भी सूत्रों के हवाले से कहा है कि भारत रास्ता भटकने की वजह से हिरासत में लिए गए चीनी सैनिक को वापस लौटाने जा रहा है। इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही है, और भारत का रुख सकारात्मक है। अखबार ने आगे कहा है कि भारत और चीन इस मुद्दे पर पहले समझौते पर पहुंचे हैं और दोनों देश समाधान की ओर बढ़ रहे हैं। चीन सरकार के मुखपत्र ने यह भी कहा कि इस घटना से सीमा पर टकराव नहीं होगा और मुद्दे के समाधान से द्वीपक्षीय बातचीत में नई प्रगति होगी। अखबार ने शिंघुआ यूनिवर्सिटी में नेशनल स्ट्रैटजी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर कियान फेंग की ओर से लिखता है कि दोनों देशों के बीच लंबी सीमा है, जिसमें कई हिस्से परिभाषित नहीं हैं। बिना उचित संकेतक और खराब टूल्स की वजह से यहां भटकना आसान है। पहले भी दोनों तरफ के सैनिक भटक चुके हैं।

मालाबार नेवल एक्सरसाइज में भारत, जापान और अमेरिका संग ऑस्ट्रेलिया भी होगा शामिल, बढ़ेगी चीन की बेचैनी

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार ने अगले महीने होने जा रहे वार्षिक मालाबार नेवल एक्सरसाइज के लिए ऑस्ट्रेलिया को आमंत्रित किया है, जबकि जापान और अमेरिका ने पहले ही इसमें शामिल होने को लेकर पुष्टि कर दी है। भारत के इस कदम से एक तरफ को मजबूती मिलेगी तो चीन की बेचैनी बढ़ेगी। यह पहली बार है जब सभी सदस्य एक साथ सैन्य अभ्यास में शामिल होंगे। यह ऐसे समय पर होने जा रहा है जब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव चार दशक में चरम पर है। मालाबार सैन्य अभ्यास के जरिए भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के नौसैनिक साल के अंत में बंगाल की खाड़ी में साथ युद्धाभ्यास करेंगे। इस मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, मालाबार अभ्यास दो हिस्सों में होगा। अभ्यास पहले 3-6 नवंबर और फिर 17-20 नवंबर के बीच होगा। चारों देशों का साझा उद्देश्य मुक्त और स्वतंत्र हिंद प्रशांत क्षेत्र है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों के साथ सहयोग बढ़ाना चाहता है और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा सहयोग में वृद्धि को देखते हुए मालाबार 2020 में ऑस्ट्रेलियन नेवी की भी सहभागिता होगी। इस बार अभ्यास को नॉन कॉन्टैक्ट एट सी फॉर्मेट में तैयार किया गया है। अभ्यास से शामिल देशों के नेवी के बीच सहयोग और समन्वय मजबूत होगा। भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह अभ्यास विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद होने जा रहा है। 6 अक्टूबर को टोक्यों में चोरों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत हुई थी। पिछली बार भारत ने 2007 में ऑस्ट्रेलिया को गैर स्थायी पार्टनर के रूप में आमंत्रित किया था।

बिहार चुनाव: सीएम नीतीश ने विपक्ष पर बोला हमला

पहले था गुंडाराज, अब अपराध में 23वें स्थान पर पहुंचा बिहार

शेरघाटी । मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने विपक्षी दल राजद पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि पति-पत्नी के 15 साल का शासनकाल नरसंहार, अपहरण और गुंडागर्दी से भरा था। उन्हें जब काम करने का मौका मिला तो कानून का राज स्थापित किया। यही वजह है कि देश में बिहार अब अपराध के मामले में 23वें स्थान पर पहुंच गया है। शेरघाटी के जदयू प्रत्याशी विनोद प्रसाद यादव के पक्ष में शहर के रंगलाल हाइ स्कूल के मैदान में आयोजित जनसभा में उन्होंने ये बातें कहीं। नीतीश कुमार ने अपनी कार्य योजना को निश्चय-2 की संज्ञा देते हुए कहा कि गांवों को अब सौर ऊर्जा से रोशन किया जाएगा। छात्रों को जिला स्तर पर बढ़िया ट्रेनिंग दी जाएगी। हर खेत को पानी मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने विपक्षी

राज्य की एनडीए सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न तो युवाओं को रोजगार दे सकी और न ही 15 वर्षों में कोई कल-कारखाना लगवा सकी। तेजस्वी ने सूर्यगढ़ा, शेरघाटी, लखीसराय व जमुई में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो 10 लाख नौजवानों को रोजगार देंगे। वृद्धावस्था पेंशन चार सौ से एक हजार रुपए की जाएगी। नियोजित शिक्षकों को समान काम के बदले समान वेतन मिलेगा। जीविका दीदी स्वयं सहायता समूह का मानदेय बढ़ाया जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि सूबे में अफसरशाही से आम जनता त्रस्त है। जनप्रतिनिधियों का कोई सम्मान नहीं है। जंगल राज की बात करने वाले के कार्यकाल में अपराध चरम पर है। उन्होंने कहा कि सूबे की बेरहम सरकार ने कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों को सड़क पर पैदल चलने के लिए छोड़ दिया। कुछ लोग रास्ते में ही ट्रक-ट्रेन से कुचल गए और सरकार सोती रही। कहा कि डबल इंजन की सरकार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं देती, सवा लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज का क्या हुआ।

15 साल में नहीं लगा एक भी कल-कारखाना तेजस्वी

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नेताओं के दस लाख रोजगार देने के वादे की खिल्ली उड़ाते हुए कहा कि कहीं रोजगार के नाम पर वे लोग फिर से धंधा न शुरू कर दें। नीतीश ने कहा कि हमारी सरकार ने टोला सेवक, विकास मित्र, तालीमी मरकज और विभिन्न प्रकार की 6 लाख नौकरियां बेरोजगार युवकों को दीं।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

कैबिनेट मंत्री ने ओपीएस भदौरिया के समर्थन में जनसंपर्क किया

संतोष सिंह भदौरिया रिपोर्टर

मध्यप्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री मंत्री ने ओ पी एस भदौरिया के समर्थन में जनसंपर्क किया और उन्होंने कहा यह चुनाव केवल ओपीएस का नहीं है यह चुनाव शिवराज सिंह चौहान का है उन्होंने बरहद ,परावन,धनौली आदि गांव में कार्यकर्ताओं के साथ दौरा किया साथ में ही जाति समीकरण को भी संभालने का प्रयास किया क्योंकि कुछ सूत्रों के हवाले से पता चल रहा है कि कुछ ग्राम पंचायतों में ज्यादातर सरपंच लोग विरोध में हैं उनका कहना है सरपंचों से ज्यादा सचिवों को ज्यादा महत्व दिया गया जिसके कारण पंचायतों में विवादित रहा और विकास कार्य नहीं हो सका साथ ही उनके जाति के लोग ओपीएसी से असंतुष्ट लोगों ने कहा कि हमारी बात को महत्व नहीं दिया जाता है जो हमारे अपने ही नहीं सुनते हैं तो अपनों को वोट देने से क्या फायदा है तो दूसरी तरफ अरविंद भदोरिया जी कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ओपीएस से अगर कोई आपत्ति है तो आप मुझे देखो मैं आपका हर समय सहयोग करूंगा लेकिन वोट भाजपा को ही देना है यह चुनाव ओपीएस का नहीं है चुनाव शिवराज सिंह चौहान का है इसलिए ओ पी एस भदौरिया के बाहरी बहुमत से जिताना है।

मुरैना जिले की 5 विधानसभा क्षेत्रों सहित भिण्ड की 2 विधानसभा मिलाकर कुल 2 हजार 431 मतदान केन्द्र बनाये गये

मुरैना। मुरैना जिले की 5 विधानसभा में होने वाले उपचुनाव के लिये 1 हजार 726 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये है। इसी तरह भिण्ड जिले की दो विधानसभा में होने वाले उपचुनाव के लिये 705 मतदान केन्द्र स्थापित किये है, इस तरह चंबल संभाग के मुरैना एवं भिण्ड में उपचुनाव संपन्न कराने के लिये 2 हजार 431 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये है। इन मतदान केन्द्रों में 989 क्रिटिकल और 199 वल्नरेवल मतदान केन्द्र चिन्हित किये गये है। इन मतदान केन्द्रों में पुलिस कंपनियों के जवान तैनात किये जायेंगे। चंबल संभाग के कमिश्नर श्री आर.के. मिश्रा ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा करते हुये बताया कि मुरैना जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों में 1 हजार 726 मतदान केन्द्र बनाये गये है, इनमें 04 जौरा विधानसभा क्षेत्र में 370 मतदान केन्द्र, 05 सुमावली में 348 मतदान केन्द्र, 06 मुरैना में 376 मतदान केन्द्र, 07 दिमनी में 315 और 08 अंबाह विधानसभा क्षेत्र में 127 मतदान केन्द्र स्थापित किये गये है। इसी तरह भिण्ड जिले की 12 मेहगांव विधानसभा में 378 मतदान केन्द्र और 13 गोहद विधानसभ क्षेत्र में 327 मतदान केन्द्र मिलाकर दोंनो विधानसभा क्षेत्रों में 2 हजार 431 मतदान केन्द्र बनाये गये है। 04 विधानसभा क्षेत्र में बनाये गये 370 मतदान केन्द्रों में से 139 मतदान केन्द्र क्रिटिकल और 33 मतदान केन्द्र वल्नरेवल चिन्हित किये गये है।

आचार संहिता में नगर पालिका के प्रतीक्षालय में दिया भाजपा ने धरना, प्रशासन नहीं कर रहा निगरानी

पुष्पांजली टुडे न्यूज़

गोहद -उपचुनाव की चुनावी सभा में डबरा क्षेत्र से भाजपा की प्रत्याशी पूर्व विधायक इमरती देवी के खिलाफ आइटम कह कर संबोधित करने वाले बयान पर भाजपा ने विरोध के स्वर तेज कर दिए हैं जिसके तहत भाजपा द्वारा आज गोलंबर तिराहा पर नगर पालिका द्वारा बनाए गए यात्री प्रतीक्षालय में 2 घंटे का मौन रहकर धरना प्रदर्शन किया दिलचस्प बात यह रही कि आचार सहिता के चलते नगर पालिका के प्रतीक्षालय में धरना प्रदर्शन की अनुमति किसने दी भाजपा कार्यकर्ताओं का 2 घण्टे तक धरना चलता रहा और प्रशासन को इस बारे में कोई जानकारी भी नही थी और न ही प्रशासन ने चुनावी पार्टियों पर निगरानी करना उचित समझा।धरना प्रदर्शन में नगर के भाजपा नेताओं ने गोलंबर तिराहा पर एकत्रित होकर यात्री प्रतीक्षालय में धरना दिया धरना प्रदर्शन के उपरांत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को माल्यार्पण कर धरना समापन किया धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से श्रीमती सुमन गुप्ता नगर अध्यक्ष महिला मोर्चा सरोज जोशी,चांदनी खान, उमा राठौर, गायत्री माहोर सीमा जोशी, मीना जाटव रामसनेही विमल, प्रभासोनी, रामबेटी

कमलनाथ के आयटम वाले बयान के विरोध में दिया था धरना

जाटव,उर्मिला जाटव , मालती जाटव ,विवेक जैन आतम दास भटनागर , रामसिया जाटव, रामबाबू उपाध्याय लाखन सिंह गुर्जर भीकम सिंह कौशल, अशोक जैन, प्रदीप भारद्वाज ,पिंकी सागर राजेश नागर, विकास जैन अजीत घुरैया ,पिंकी गुर्जर, भगवान सिंह बघेल , जितेंद्र कौशल सतीश स्वामी ,मनीष विजयवंशी, जीतू गुर्जर दिनेश धनेलिया, नीरज खरे आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल रहे।

धरना हुआ होता तो विरोधी पार्टी करती उसकी शिकायत - नायब तहसीलदार

नगर पालिका के शासकीय प्रतीक्षालय में भाजपा के धरना देने की जानकारी जब नायब तहसीलदार शिल्पा सिंह से लेना चाही तो उन्होंने जानकारी न होने की बात कही ओर कहा अगर धरना होता तो विरोधी पार्टी उसकी शिकायत करती क्या प्रशासन आचार सहिता में कार्यवाही करने के लिए विरोधी पार्टी के शिकायत का इंतजार करेगा।

इनका कहना है

भाजपा का नगर पालिका के प्रतीक्षालय में धरना प्रदर्शन की अनुमति की जानकारी नही है में इसकी जानकारी लेता हूं अगर ऐसा हुआ होगा तो जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

शुभम शर्मा
एसडीएम गोहद

अस्थाई बिजली कनेक्शन लेकर ही झाँकी-पंडाल को रोशन करें

मुरैना। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली खंभों, ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों से दूर सुरक्षित स्थानों पर ही पंडाल बनाएँ, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो सके। बिजली लाइन व उपकरण अति संवेनशील होते है इसलिए समितियां इस बात का विशेष ध्यान रखकर ही पंडाल बनाएं एवं कार्यक्रम करें। विद्युत वितरण कंपनियों ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे रामलीला व दुर्गोत्सव के दौरान धार्मिक पंडालों एवं झाँकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें। धार्मिक त्यौहार तथा अन्य सार्वजनिक अवसरों पर लगने वाले पंडालों को अस्थाई कनेक्शन देने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने बेहतर प्रबंध किए हैं।

उपचुनाव में नेता प्रत्याशी एवं कार्यकर्ता मैं नहीं कोरोना का खौफ, लोगों को देते हैं मास्क लगाने की समझाइश

पुष्पांजली टुडे

गोहद -विधानसभा उपचुनाव की तैयारी जोर शोरों से चल रही है जिसके लिए प्रत्याशी सुबह से लेकर रात तक तय कार्यक्रम के अनुसार जनसंपर्क कर रहे हैं साथ ही दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ बिना मास्क बिना सोशल डिस्टेंसिंग एवं सैनिटाइजर के इस्तेमाल किए सभी लोगों से संपर्क कर रहे हैं प्रत्याशी जहां चरण स्पर्श कर रहे हैं वही सभी लोग प्रत्याशियों का स्वागत कर रहे हैं लेकिन कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को कोरोना संक्रमण की कोई चिंता नहीं है और वह बेधड़क होकर सभी के संपर्क में आ रहे हैं दर्जनों कार्यकर्ता भीड़ में धक्का-मुक्की करते हुए प्रचार प्रसार कर रहे हैं जबकि शासन द्वारा राहगीरों आम पब्लिक जनता पर चालानी कार्रवाई की जाती हैं एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वाले एवं मास्क न लगाने वाले लोगों से बदसलूकी की जाती है डॉक्टर भी अस्पताल में देखने से इंकार कर देते हैं फिर नेताओं के लिए यह कार्यकर्ताओं के लिए चुनाव प्रचार के

सोशल डिस्टेंसिंग मास्क लगाना बना नेताओं के लिए मात्र दिखावा

दौरान यह नियम नहीं लागू होते चुनाव प्रचार में भ्रमण के दौरान देखा गया एक ओर कांग्रेस कार्यालय में विधायक डॉक्टर गोविंद सिंह जी द्वारा कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई जिसमें किसी भी कार्यकर्ता के चेहरे पर मास्क नजर नहीं आया वही पूर्व विधायक रणवीर जाटव द्वारा नगर में संपर्क किया गया लेकिन संपर्क के दौरान पूरे वार्ड में कहीं भी संपर्क करने वाले प्रत्याशी एवं उनके कार्यकर्ताओं द्वारा मास्क के लगाने से परहेज किया जाता है नेताओं द्वारा मास्क लगाना एवं सामाजिक दूरी बनाना महज औपचारिकता बनकर रह गया है।

स्वीप के तहत मतदान करने के लिये नगर पालिका अंबाह द्वारा शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया

मुरैना। विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये मुरैना जिले में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ संचालित है। जिससे अधिक से अधिक महिला-पुरूष मतदान शतप्रतिशत करें। इसके तहत रविवार को नगर पालिका अंबाह द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिये शपथ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री के.के. दीक्षित, उपयंत्री सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आज

मुरैना। विधानसभा उप चुनाव-2020 के लिये गठित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे नवीन कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

पांचों विधानसभाओं में 4 अभ्यर्थियों ने अपनी अभ्यर्थितता से नाम वापस लिये

मुरैना। विधानसभा उपचुनाव 2020 के लिये जिले की पांचों विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों की ओर से भरे गये नामांकन पत्रों की संवीक्षा एवं नाम वापसी के बाद अब जिले की सभी 5 विधानसभा क्षेत्रों में 67 उम्मीदवार शेष रह गये है। नाम वापसी के दिन सोमवार को दिमनी और सुमावली विधानसभा को छोड़कर जिले की 3 विधानसभा क्षेत्रों से 4 उम्मीदवारों ने अपनी अभ्यर्थितता से नाम वापस ले लिये है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 04 जौरा से 1 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिये है। इनमें श्री धनीराम पुत्र श्री फोदलिया ने नाम वापस लिया है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 06 मुरैना से 2 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिये है। इनमें श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री जगदीश और श्री यूसिफ पुत्र इब्राहिम ने अपने नाम वापस लिये है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 08 अंबाह से श्री बीरबल पुत्र श्री बुद्धीराम ने अपनी अभ्यर्थितता से नाम वापस लिया है। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 05 सुमावली और 07 दिमनी से एक भी नाम वापस नहीं हुये है। अब पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 67 उम्मदीवार चुनाव मैदान में है। जिसमें अंबाह में 15, दिमनी में 13, मुरैना में 15, सुमावली में 9 और जौरा में 15 उम्मीदवार शेष है। इन्हें चुनाव चिन्ह आज देर रात्रि तक आवंटित कर दिये जायेंगे।

जिला प्रमुख महामंत्रीमहेंद्र सिंह तोमर ने कहा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की बैठक इंद्रप्रस्थ गार्डन गोले का मंदिर पर हुई बैठक मेंसभी ने निर्णय किया की दशहरा मिलन समारोह सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए 26 अक्टूबर सोमवार शाम 4ः30 बजे दशहरा मिलन समारोह इंद्रप्रस्थ गार्डन में मनाया जाएगा बैठक की अध्यक्षता.जिलाध्यक्ष रामकुमार सिंह सिकरवार ने की अतिथि के रूप में श्री अतर सिंह तोमर अशोक सिंह तोमर श्याम सिंह तोमर अरविंद सिंह तोमर सत्येंद्र सिंह भदोरिया राजू सिकरवार डॉ धर्मेंद्र सिंह चौहान बाबू राठौड़ धर्मराज सिंह तोमर विपिन तोमर (भिडौसा)मुकेश तोमर बजे जिसमें थर्मल स्कैनिंग 1 सैनिटाइजर मास्क ÷सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए दशहरा मिलन समारोह मनाया जाएगा,, तथा समाज को भी यह संदेश दिया जाएगा कि भगवान श्रीराम ने जिस प्रकार मर्यादा का पालन किया उसी प्रकार हम सभी मर्यादा का पालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन करें और अनुशासन का परिचय दें। सभी बंधुओं से अपील है कि निर्देशों का पालन करते हुए भगवान श्री राम के विजयदशमी पर्व पर पूजन कर कार्यक्रम में सम्मिलित होअपील करने वालों में सर्वश्री अशोक सिंह तोमर÷ सत्येंद्र सिंह भदोरिया, अतर सिंह तोमर, बाबू सिंह राठौड़, राजू सिकरवार, अरविंद सिंह तोमर, बृजेश सिंह बेस,, सुधीर सिंह राठौड़, आदि!

फोटोयुक्त मतदाता परिचय पत्र के 11 तरह के विकल्प होंगे स्वीकार

मुरैना। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के तहत प्रत्येक मतदाता को वोट देने का अधिकार है। वोट देने के लिये चुनाव आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त मतदाता परिचय पत्र जरूरी है। अपरिहार्य कारणों से मतदाता परिचय पत्र अनुउपल्बध होने पर चुनाव आयोग द्वारा 11 तरह के विकल्प बताये गये हैं, इन विकल्पों में से किसी एक परिचय पत्र को दिखाकर कोई भी मतदाता अपने मतदाधिकार का प्रयोग कर सकता है। ये विकल्प इस प्रकार हैं- आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या पोस्ट ऑफिस की फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, पेनकार्ड, रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया द्वारा एनपीआर के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, राज्य या केन्द्र द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा परिचय पत्र एवं सांसद या विधायक द्वारा जारी अधिकारिक परिचय पत्र। ये वैकल्पिक दस्तावेज दिखाकर कोई भी मतदाता मतदान केन्द्र पर वोट दे सकता है। चुनाव आयोग ने यह वैकल्पिक व्यवस्था इसलिए की है कि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षकों द्वारा चुनाव तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उप निर्वाचन-2020 के लिये ग्वालियर जिले में नियुक्त प्रेक्षकों ने आज यहाँ विधानसभा उप निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में नोडल अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिये पूरी तरह से मुस्तैद रहें एवं भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप निर्वाचन की कार्रवाई सम्पन्न कराएँ। उन्होंने वर्तमान में कोविड-19 के संबंध में भी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए और कहा कि मतदान दलों एवं मतदाताओं की कोविड-19 से पूरी तरह से सुरक्षा की जाए। इसके लिये आयोग द्वारा जारी गाइडलाईन के अनुसार कार्रवाई करें। बैठक में 15-ग्वालियर एवं 16-ग्वालियर पूर्व के प्रेक्षक श्री संजय सिन्हा, 19-डबरा (अजा.) के लिये नियुक्त प्रेक्षक श्री अजयनाथ झा, पुलिस प्रेक्षक श्री एम एन तिवारी, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री किशोर कान्याल एवं श्री टी एन सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष तिवारी एवं निर्वाचन के लिये नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रेक्षकों द्वारा अभी तक निर्वाचन के लिये की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। पहले उन्होंने ईवीएम की समीक्षा की। ईवीएम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि कमीशनिंग का काम अगले 4 - 5 दिन में हो जायेगा एवं ईवीएम संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी प्रकार मतदान दलों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मतदान दलों का प्रथम चरण का प्रशिक्षण करा दिया गया है तथा द्वितीय चरण का प्रशिक्षण 24 अक्टूबर से कराया जायेगा। इसी प्रकार मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी में लगे कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतगणना में लगाए गए कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी शीघ्र ही कराया जायेगा।

अच्छे कर्मों का फल बिना बताये मिलता है : गणाचार्य विरागसागर

भिण्ड। मध्यप्रदेश में चातुर्मासस्थ परमपूज्य गणाचार्य श्री विरागसागर जी मुनिमहाराज ने अपनी नित्यप्रति की धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अच्छे कार्य, धर्माचरण और परोपकार का फल बिना बताये मिलता है। कभी कभी हम धर्माचारण करते रहते हैं और इसी बीच थोड़ी सी मुश्किल आ जाती है तो हमारा विश्वास डगमगाने लगता है कि अमुक व्यक्ति तो पाप कार्यों में लगा है फिर भी वह मजे में है और मैं अच्छे कार्य कर रहा हूं फिर भी परेशानी आ गई है। गणाचार्यश्री ने कहा कि अच्छे कार्यों का फल बिना बताये मिलता है, हम उसे समझने में कभी कभी भूल कर देते हैं, उन्होंने एक उदाहरण दिया कि- एक सेठ के दो पुत्र थे- एक धर्मात्मा और दूसरा अधर्मात्मा। धर्मात्मा पुत्र का पूर्व पापकर्म के उदय से धन कम हो रहा था, लेकिन अधर्मात्मा पुत्र का पूर्व पुण्य कर्म के उदय से धन वृद्धि को प्राप्त हो रहा था। दोनों में इसी बात को लेकर कभी-कभी संवाद हो जाता कि तुम इतना धर्म करते हो फिर भी तुम्हारा धन कम होता जा रहा है और मैं इतना पाप करता हूँय लेकिन मेरे धन में वृद्धि हो रही है। एक दिन दोनों ने विचार किया कि इस बात का निर्णय वीतरागी निर्ग्रंथ संत के पास चलकर किया जाये, और निश्चित दिन में धर्मात्मा पुत्र भगवान के दर्शन-पूजा करके लौट रहा था कि रास्ते में उसे काँटा लग गया। उसी समय अधर्मात्मा पुत्र रात्रिभर वेश्या सेवन करके लौट रहा था तो उसे रास्ते में रुपयों से भरी एक थैली मिली। जब दोनों आपस में मिले तो अधर्मात्मा पुत्र ने कहा- देखो, मैं सत्य कहता हूँ कि तुम इतना धर्म करते हो, फिर भी दुःखी रहते हो और मुझे देखो मैं वेश्या के घर से निकला और मुझे रुपयों से भरी थैली मिली। इसलिये तुम धर्म को छोड़ो। लेकिन दिन निश्चित होने से दोनों संत के पास पहुँचे और अपनी बात रखी। संत ने कहा- सुख तो धर्म से ही होता है। आज इसने इतना धर्म किया कि आज इसकी मृत्यु थी।

लेकिन धर्म के प्रभाव से वह मृत्यु काँटे में निकल गई। उसने पूछा- कैसे ? मुनिराज ने कहा- तुम नदी को पार करते समय जिस शिला के ऊपर रोज पैर रखते थे उसके नीचे सर्प था, आज तुमको काँटा लग जाने से धीरे-धीरे चले और आपने उस शिला पर पैर नहीं रखा जिससे सर्प ने तुम्हें काटा नहीं और तुम मृत्यु से बच गये तथा आज तुम्हारे बड़े भाई को राजसिंहासन होने वाला था। लेकिन पाप कार्य में आसक्त होने से वह पुण्य क्षीण हो गया और वह एक थैली के रूप में ही रह गया। उसने पूछा- कैसे ? महाराज ने कहा- इस नगर के राजा की मृत्यु हो गई है। और नवीन राजा के लिये एक हाथी का चयन किया गया कि वह हाथी सारे नगर में भ्रमण करेगा और जिसके गले में हार डालेगा वही उस नगर का राजा बनेगा। और वह हाथी तुम्हारे घर के दरवाजे पर आया था, काफी समय तक रुका रहा था। लेकिन तुम वेश्या के घर में थे, वह काफी समय तक इंतजार करके चला गया, इसलिये तुम्हारी राज्य सम्पदा छोटी सी थैली के रूप में शेष रह गई।

दोनों की बातों के विषय में जब पता लगाया गया तो दोनों ही बातें सत्य थी। इस प्रकार श्रद्धा से कभी घबराना नहीं चाहिये कि मैं इतना धर्म करता हूँ, लेकिन मुझे कुछ भी नहीं मिलता और वह कुछ भी धर्म नहीं करता, लेकिन उसके पास इतना धन है। ध्यान रखना, वह वर्तमान में पाप कर रहा है आगे उसे उसका फल मिलेगा और आप वर्तमान में पुण्य कर रहे हो तो उसका फल आपको आगे मिलेगा, धर्म का फल बिना बताये मिलता है और निश्चित मिलता है इसलिए अच्छे कार्यों से कभी विमुख नहीं होना चाहिये।

भाजपा प्रत्याशी ने ग्वालियर विधानसभा में किया जनसंपर्क

ग्वालियर। ग्वालियर विधानसभा उपचुनाव को लेकर ग्वालियर विधानसभा उप चुनाव से भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को अपना जनसंपर्क वार्ड क्रमांक-07 में कई क्षेत्रों में किया। श्री तोमर ने अपना जनसंपर्क गिर्राज जी मंदिर चार शहर का नाका से प्रारंभ कर नेमी तोमर वाली गली से होते हुए भगना चक्की वाली गली, तेली की बगिया, अरुण राजपूत वाली गली होते हुए आशीष भदोरिया वाली गली से रिंगटोन वाली गली से अश्वनी शर्मा वाली गली होते हुए भुट्टे की चक्की, पूर्व पार्षद वाली गली से वीरेंद्र सिकरवार पीलीभीत से होते हुए बल्ले तोमर के घर से कटारे वाली गली, तहसीलदार सिंह वाली गली से शेर सिंह के यहां से होते हुए मंदिर वाली गली होते हुए संदीप स्कूल के बगल वाली गली, राम-राम बदरिया वाली गली से होते हुए राघवेंद्र सिंह तोमर वाली गली, अजीत चंदेल वाली गली से छतरी को सेविंग गैस वाली गली होते हुए अशोक यादव वाली गली से सारे

प्रद्युम्न सिंह तोमर की सरल, सहज, मिलनसार छवि को मिल रहा है हर वर्ग की जनता का साथ

वाली गली होते हुए बृजकिशोर वाली गली गणेश कॉलोनी, मदनपुरा से मेवाती मोहल्ला, हथियापोर सागर ताल रोड पर समापन समाप्त हुआ।

इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि अब तक क्षेत्र की समस्याओं के लिए काम किया है। अब क्षेत्र में नए उद्योग लगवाना है। इस क्षेत्र का युवा बेरोजगार है। अब रोजगार पर फोकस करना है। हर युवा को रोजगार दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्रीय मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि 3 नवंबर को होने जा रहे मतदान के दिन सबसे पहले अपना वोट दें इसके बाद जलपान करें। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से कमल का बटन दबाकर विजयी बनाने की अपील की। जनसम्पर्क के दौरान कोविड-19 के नियमों का भी ध्यान रखा गया और सभी कार्यकर्ता मास्क लगाए हुए और उचित दूरी बनाए हुए थे। भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर के जनसंपर्क के दौरान वार्ड-क्रमांक 07 की जनता ने पुष्पवर्षा और पुष्पहार से भाजपा प्रत्याशी का स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी प्रधुम्न तोमर ने जनसम्पर्क के दौरान बुजुर्गों और महिलाओं का आशीर्वाद लिया और युवा प्रद्युम्न सिंह तोमर जिंदाबाद और जय भाजपा, विजय भाजपा के नारे लगाते जा रहे थे। हर गली मोहल्लों से भाजपा कार्यकर्ताओं की टोली के साथ भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न तोमर ने जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का थर्मल मीटर से तापमान की जांच की जा रही थी और वार्ड- क्रमांक 7 के जनसम्पर्क में भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न तोमर के समर्थन में भाजपा के कई वरिष्ठ कार्यकर्ता ब्रजमोहन शर्मा, ओम प्रकाश शेखावत, दयाराम पाल,जगराम कुशवाहा, वीरेंद्र सिकरवार, साहब सिंह तोमर,रघुराज भदौरिया, साकेत सेंगर, प्रकाश कोरी, दारा सिंह सेंगर सहित कई कार्यकर्ता हुए शामिल।

केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर आज ग्वालियर जिले में

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर कल 20 अक्टूबर को सुबह 10 बजे शालीमार गार्डन, थाटीपुर में ब्राम्हण समाज की बैठक, दोपहर 12 बजे इंद्रप्रस्थ गार्डन, गोला का मंदिर में युवा मोर्चा की बैठक, दोपहर 2 बजे शारदा विहार पार्क में कार्यकर्ताओं का समागम, शाम 4 बजे पंचवटी कॉलोनी, राधिका वाटिका, कोटेश्वर मंडल में जनसभा, शाम 5 बजे मिलन गार्डन, रमटापुरा पुल के पास, लक्ष्मीबाई मंडल में कार्यकर्ताओं का समागम, शाम 6 बजे कांच मिल पार्क, वीर दुर्गादास मंडल में कार्यकर्ताओं का समागम, शाम 7 बजे व्यंकटेश अकादमी स्कूल पीतांबरा ज्वैलर्स के पास, दीनदयाल नगर में कार्यकर्ताओं का समागम तथा रात्रि 8 बजे सरकार गार्डन, आदित्यपुरम में कार्यकर्ताओं का समागम में भाग लेंगे।

जन सेवा सबसे बड़ी मानव सेवा : डॉ. सुभाष जैन

ग्वालियर। जन सेवा जन अधिकार संगठन के तत्वावधान में विश्व खाद्यान्न दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन शासकीय प्राथमिक विद्यालय अनिवार्य माधौगंज (रेल्वे ब्रिज के पीछे मलिन बस्ती सिंधिया नगर) ग्वालियर में मास्क, सेनेटाईजर एवं का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष जैन संयोजक, म.प्र.मानव अधिकार आयोग, शिकायत प्रकोष्ठ, ग्वालियर, अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. संजय पाण्डे, राज्य स्तरीय पुरूस्कार प्राप्त राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी ने की। कार्यक्रम में शास. प्राथमिक विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती जागृति राजावत, अध्यापिका तृप्ति शर्मा उपस्थित हुई। कार्यक्रम का संचालन जन सेवा जन अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी श्याम बाबू गुप्ता ने किया। श्री गुप्ता ने अपने संगठन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री गुप्ता जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें आपस में सोशल डिस्टेसिंग का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिये। जिससे कोई भी बीमारी हम तक न पहुंच सके और हम सब पूर्णतः स्वस्थ रहे। कार्यक्रम में जन सेवा जन अधिकार संगठन के जिलाध्यक्ष श्री मोहन सोनी, श्रीमती रामश्री कुशवाह, जितेन्द्र बघेल आदि उपस्थित हुये। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मलिन बस्ती के बच्चों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष जैन ने कहा कि कोविड-19 में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। इसमें हमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखता है। चेहरे पर

मास्क के साथ-साथ लगातार हाथों को साबुन से धोते रहना है। उन्होंने उपस्थित सभी बच्चों को मास्क एवं सेनेटाईजर वितरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर डॉ. संजय पाण्डे ने कहा कि आज विश्व खाद्यान्न दिवस पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिये कि देश के किसी भी घर में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोये। कोविड-19 के संकट में उन्होंने बच्चों को उससे बचाव के कई सुझाव दिये। उन्होंने कहाकि छोटे बच्चों को इस बीमारी से बचाने के लिये उनके माता-पिता को जागरूक होना अति आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित बच्चों से कहाकि आप जब भी घर से बाहर निकले अपने चेहरे पर मास्क अवश्य लगाये। जब तक इस बीमारी की दवाई उपलब्ध नहीं होती तब तक हमें इससे बचाव करते रहना है। अध्यापिका तृप्ति शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिये सभी को जागरूक होकर अपने शरीर की सफाई का नियमित रूप से ख्याल रखना है। आप लोग जहां निवास करते है वहां अपने आस-पास भी साफ स्वच्छ वातावरण रहें इस बात का हमें हमेशा ध्यान रखना है। सभी बच्चों को उन्होंने कहाकि नियमित खान-पान का भी आप लोगों को विशेष ध्यान रखना है जिससे कोविड जैसी बीमारी आप पर हावी न हो सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा आज अशोकनगर में

ग्वालियर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा कल 20 अक्टूबर को मुरैना जिले में चार जनसभाओं को संबोधित करेंगे। यह जानकारी भाजपा संभागीय मीडिया सेंटर से जारी एक विज्ञप्ति में दी गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा कल 20 अक्टूबर को अशोकनगर विधानसभा में दोपहर 1 बजे मुंगावली में जनसभा को तथा दोपहर 3 बजे अशोकनगर जनसभा को संबोधित करेंगे।

आज सात सभाओं को संबोधित करेंगे सिंधिया

ग्वालियर। राज्यसभा सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कल 20 अक्टूबर को बामौरी विधानसभा में सुबह 10 बजे तखनेरा, सुबह 11 बजे मार की माउ में जनसभा को, दोपहर 1 बजे बड़ा मलहरा में जनसभा को, दोपहर 3 बजे भांडेर विधानसभा में उनाव जनसभा को, शाम 4.30 बजे डबरा विधानसभा के पिछोर जनसभा को, शाम 6 बजे बिलौआ जनसभा को तथा शाम 7 बजे ग्वालियर पूर्व विधानसभा में नाका चंद्रवदनी में जनसभा को संबोधित करेंगे।

राहुल से कमलनाथ तक कांग्रेस की संस्कृति में बसा है महिला का अपमानः पाठक

ग्वालियर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कन्यापूजन करते हैं, उनके पैर पूजते हैं और उनके लिए योजना बनाकर उनका भविष्य संवारते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ श्री कमलनाथ ने डबरा की सभा में जिस तरह से हमारी बहन और हमारी प्रत्याशी श्रीमती इमरती देवी के लिए जिन शब्दों का इस्तेमाल किया उसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। उनका यह बयान उनके मानसिक दिवालियेपन का सबूत है। इन शब्दों से मुझे बहुत व्यथा हो रही है। यह बात आज पत्रकारों से चर्चा के दौरान सीधी की सांसद श्रीमती रीति पाठक ने कही। उन्होंने कहा कि श्री कमलनाथ के शब्द अशोभनीय है। उन्होंने कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि श्री राहुल गांधी ने 10 अक्टूबर, 2017 को बड़ोदरा में लोगों से यह पूछा था कि क्या संघ की शाखाओं में महिलाएं स्कर्ट पहने दिखती हैं? इससे पहले भी वो महिलाओं के प्रति अपनी नफरत को दर्शा चुके हैं। क्या श्री राहुल गांधी का मस्तिष्क घूम गया है जो इस प्रकार की बात करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह ने एक कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद नटराजन को टंच माल कहा। यह कांग्रेस नेताओं की संस्कृति है। उन्होंने कहा कि जब देश मिस वर्ल्ड के एक और ताज मिलने की खुशी में डूबा था और लोग मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की बधाईयां दे रहे थे, तब कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का मजाक उड़ा रहे थे। उन्होंने छिल्लर को चिल्लर कहकर कटाक्ष किया था।

जनसंपर्क के दौरान गोयल का जगह-जगह भव्य स्वागत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के ग्वालियर पूर्व विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी श्री मुन्नालाल गोयल जी ने रविवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 58 की विभिन्न गली, मौहल्ला और कॉलोनियों में पहुंचकर जनसंपर्क किया। इस दौरान श्री गोयल का जगह-जगह पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल कहा कि क्षेत्र की जनता से मेरा रिश्ता वोटों का नहीं, बल्कि सुख दुख का है, क्षेत्र की प्रगति, विकास है जो जिंदगी की आखिरी सांस तक चलता रहेगा। एक बार मैं आपके बीच सुख के क्षणों में न आ सकूं, लेकिन दुःख के क्षणों में आपका मुन्ना भैया हमेशा आपके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरी जिंदगी का मिशन क्षेत्र की प्रगति-विकास है। गरीब सर्वहारा वर्ग की लड़ाई है। मातारानी से यह प्रार्थना है कि मेरे क्षेत्र में हमेशा सुख-समृद्धि कायम रहे। जो मातृशक्ति का अपमान करते हैं, वह धरा पर सबसे बड़े शैतान है। उन्होंने कहा कि जनता की ताकत ही एक नेता की ताकत होती है, जनता नेता को महाराज भी बना सकती है और सेवादार भी। भारतीय जनता पार्टी विकास और निरंतर विकास में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा है, मैं आप सभी से निवेदन करना चाहता हूं कि भारत सरकार की गाइडलाइन के तहत नियमों का पालन करें और अपना बचाव खुद करें। ग्वालियर पूर्व विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी श्री मुन्नालाल गोयल ने सोमवार को अपना जनसंपर्क वार्ड 58 में चस्का मस्का कॉर्नर, विवेकानंद नीडम, हरिशंकरपुरम, माधाव नगर की विभिन्न गलियों में, शैलेंद्र धाकड़ जी के निवास काल्पी ब्रिज कॉलोनी वार्ड 20 में बैठक, घास मंडी, सब्जी मंडी के पास दीपक चक्की के सामने वार्ड 26 में नुक्कड़ सभा, एनसी आयरन फैक्ट्री के पास हनुमान नगर भिंड रोड वार्ड 21 में नुक्कड़ सभा, आदर्श नगर, वार्ड 18 में नुक्कड़ सभा, महाराजपुरा थाने के पास वार्ड 18 में सभा, अभिनंदन वाटिका के पीछे राठौर आटा चक्की वाली गली, रामदयाल नगर वार्ड 18 में नुक्कड़ सभा तथा पवन किराना स्टोर के सामने वाली गली, सिद्धेश्वर नगर में बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष जयंत शर्मा, पूर्व पार्षद सतीश यादव, अशोक बांदिल, रमाकांत महते, राजू सेठ, रमेश यादव, पंकज पालीवाल, रवि पांडे, बंटी बघेल, पवन गडफुले, राकेश कनकने, देवेंद्र पवैया, अभिषेक भार्गव, नीरू ज्ञानी, शैलू गुर्जर, मोहन सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

इमरती देवी पर टिप्पणी के लिए सोनिया-प्रियंका माफी मांगे, कमलनाथ को कांग्रेस से निकालें

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा के नेतृत्व में ग्वालियर में विशाल मौन धरना

ग्वालियर। नवरात्रि के पर्व पर जब पूरा देश मां और नारी शक्ति की अराधना कर रहा है, उस समय डबरा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने श्रीमती इमरती देवी के बारे में अपशब्द कहे, वो पूरी नारी जगत और अनुसूचित जाति समाज का अपमान है। अब इस मुद्दे पर सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा देश से माफी मांगें और कमलनाथ को पार्टी से बाहर करें। इस मुद्दे पर पार्टी पुलिस में कमलनाथ के खिलाफ एफआईआर भी कराएगी। यह बात आज फूलबाग में विशाल मौन व्रत के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही।

प्रदेशाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से कांग्रेस नेताओं ने नैना साहनी हत्याकांड किया, प्रीति श्रीवास्तव को कुचलकर मार डाला, ठीक उसी प्रकार श्रीमती इमरती देवी के लिए अपमान वाले शब्दो का उपयोग पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किया है। यह कांग्रेस की मानसिकता का परिचायक है। एक दलित महिला के अपमान के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी व प्रियंका वाड्रा देश की नारी शक्ति से माफी मांगे और ऐसी सोच रखने वाले कमलनाथ को पार्टी से निष्कासित करें। प्रदेशाध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि श्रीमती इमरती देवी तो कमलनाथ को भाई मानती थीं और पैर छूती थीं, फिर भी उनके बारे में ऐसे शब्द कहे। भाजपा नेताओं ने सोमवार को दो घंटे पूरे राज्य में मौन धरना देकर प्रदर्शन किया है और अब देश व प्रदेश की महिलाएं इस अपमान का जबाव देंगी। भाजपा ने चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है और जल्दी ही पुलिस में भी इसकी एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि श्रीमती इमरती देवी के लिए अपमानजनक शब्द कहने पर महिलाओं और दलितों की बात करने वाली सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा को माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि इस मुद्दे पर जितना भी पश्चाताप किया जाए, उतना कम है। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि समझ में नहीं आता कि कांग्रेस के नेताओं का क्या हो गया है। कोई नेता महिलाओं को टंच माल बोलता है तो कोई आइटम। इससे कांग्रेस का महिला विरोधी चरित्र उजागर हो गया है और यही कारण है कि कांग्रेस लगातार हाशिए पर आती जा रही है और आने वाले समय में और ज्यादा किनारे लग जाएगी। उन्होंने

कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता जितना भी पश्चाताप करें, उतना कम हैं। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी यदि महिलाओं और दलितों के हित की बात करती हैं तो माफी मांगे। उन्होंने कहा कि श्रीमती इमरती देवी के लिए अपमानजनक शब्द कहने के विरोध में सोमवार को भाजपा नेताओं ने पूरे राज्य में मौन धरना देकर प्रदर्शन किया है और इस मामले में चुनाव आयोग से भी शिकायत की जा रही है। श्री तोमर ने स्पष्ट किया कि चुनाव में जो प्रचार की मर्यादा हमारे पूर्वजों ने बांधी है, उसको लांघने पर गंभीर परिणाम होंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री प्रभात झा ने कहा कि नवरात्रि में देवियों की पूजा हो रही है और श्री कमलनाथ ने मातृशक्ति देवी माता बहनों के बारे में जो टिप्पणी की है, यह नवरात्रि में देवी का अपमान है, नारी शक्ति का अपमान है और इसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। हम शुरू से कह रहे हैं कि यह राजनेता नहीं, यह उद्योगपति है और इनकी मानसिकता कैसी है, इस अमर्यादित टिप्पणी से पूरी देश की जनता ने कमलनाथ को समझ लिया है। क्या यह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहने लायक थे, माता बहनों के प्रति ये अशोभनीय टिप्पणी है, कलंकित करने वाली है और यह कांग्रेस को कलंकित कर रही है। कमलनाथ गंदी मानसिकता से राजनीति में काम कर रहे हैं और इसलिए मध्य प्रदेश के अनुसूचित जाति के महिला पर यह टिप्पणी पूरे मध्यप्रदेश के महिलाओं का अपमान है, दलितों का अपमान है, अनुसूचित जाति का अपमान है।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी ने मौन धरने का आभार व्यक्त किया-इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, सीधी सांसद रीति पाठक, वरिष्ठ नेता श्री जयभान सिंह पवैया, संभागीय संगठन मंत्री श्री आशुतोष तिवारी, श्री उमाशंकर गुप्ता, श्री गौरीशंकर बिसेन, श्री अजय विश्नोई, श्री ध्यानेंद्र सिंह, भाजपा प्रत्याशी श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री मुन्नालाल गोयल, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री लोकेंद्र पाराशर, जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, भिंड जिलाध्यक्ष श्री नाथू सिंह गुर्जर, वरिष्ठ नेता श्री जयसिंह कुशवाह, श्री देवेश शर्मा, श्री जयप्रकाश राजौरिया, श्री शरद गौतम, श्री महेश उमरैया, श्री राकेश जादौन, श्री राकेश गुप्ता, श्री अशोक जादौन, श्री रामेश्वर भदौरिया, श्रीमती सुमन शर्मा, श्रीमती समीक्षा गुप्ता, श्रीमती खुशबू गुप्ता, श्रीमती विनती शर्मा, श्रीमती रीना सोलंकी, श्रीमती व्यंजना मिश्रा, श्रीमती रेशु राजावत, श्रीमती मीना सचान, श्रीमती रितु शेजवार, श्री अशोक शर्मा, श्री बालखांडे, श्री विवेक चौहान, श्री निर्दोष शर्मा, श्री हरीश यादव, श्री अशोक पटसारिया, श्री राकेश खुरासिया, श्री नीलिमा शिंदे, श्री गंगाराम बघेल, श्री किशन मुदगल, श्री शिवेंद्र राठौर, श्री मोहन विटवेकर, श्री जगत कौरव, श्रीमती नीरू ज्ञानी, श्री मान सिंह राजपूत, श्री अशोक बांदिल, श्री सोमेश महंत, श्री विवेक शर्मा, श्री राजू सेठ, श्री राजेंद्र जैन, श्री पूरन सिंह भदौरिया, श्री ओमप्रकाश शेखावत, श्री सुघर सिंह पवैया, श्री रमेश सेन, श्री मनोज तोमर, डॉ राकेश रायजादा, श्रीमती अंजलि रायजादा, श्री राजेश महोविया, श्री गजेंद्र राठौर, श्री सोनू मंगल, श्री शैलेंद्र सिकरवार, श्री राजीव पाराशर, श्री अनिल त्रिपाठी, नरेश कटारे, अजीत बरैया, धर्मेंद्र राणा, रूकमणि जोशी, हरीश मेवाफरोश, अशोक साहू, सुशील वर्मा, देवेंद्र पवैया, महेंद्र सेंगर, श्यामानंद शुक्ला, चंद्रप्रकाश गुप्ता, दीपक पमनानी, बिरजू शिवहरे, राजू सेंगर सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे।मौन व्रत के बाद युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ की अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में श्री कमलनाथ का पुतला दहन किया।

संपादकीय

जहरीली हवा

हर साल आने वाली देशी-विदेशी रिपोर्टें बता रही हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा हवा भारत के शहरों की खराब है और यह स्थिति दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। खेतों में पराली जलाए जाने की समस्या से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए अपने ही पूर्व न्यायाधीश एमबी लोकुर की अध्यक्षता में समिति बना दी है। यह समिति कड़े निगरानी तंत्र के रूप में काम करेगी। राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों की हवा जिस कदर जहरीली हो रही है, उसे देखते हुए कड़े कदम उठाना अपरिहार्य हो गया है। पिछले कई सालों से सिर्फ दिल्ली और आसपास के इलाके ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के ज्यादातर राज्य वायु प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। हर साल आने वाली देशी-विदेशी रिपोर्टें बता रही हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा हवा भारत के शहरों की खराब है और यह स्थिति दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। इस बार भी हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के खेतों में पराली जलाई जा रही है और उसका धुआं राजधानी में वायु प्रदूषण का कारण बन रहा है। यह अफसोसजनक है कि पिछले कुछ वर्षों में सर्वोच्च अदालत के हस्तक्षेप और कड़े निर्देशों के बावजूद पराली का जलना रुका नहीं है। पंजाब, हरियाणा सहित उन सभी राज्यों को जहां हर साल किसान पराली जलाते हैं, सुप्रीम कोर्ट सख्त निर्देश और कार्रवाई की चेतावनी देता रहा है। अदालत के डर और दबाव में कुछ कदम उठाए भी गए, लेकिन एक सीमा के बाद सरकारों ने भी हाथ खड़े कर दिए। सर्वोच्च अदालत ने राज्यों के मुख्य सचिवों को निर्देश दिया है कि किसी भी सूरत में किसानों को पराली जलाने से रोका जाए और लोकुर समिति के काम में हर तरह से मदद की जाए। लेकिन सवाल है कि क्या सिर्फ अदालती सख्ती से किसानों को पराली को जलाने से रोक पाना संभव है! अगर ऐसा है तो इस बार पराली जलनी ही नहीं चाहिए थी। दरअसल, समस्या राज्य सरकारों की है। जो कदम सरकारों को उठाने चाहिए, उनमें वे नाकाम रहीं हैं। अगर किसानों के पास पराली जलाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है तो यह सरकारों की जिम्मेदारी बनती है कि पराली निपटान के उपायों पर तेजी से काम करें और उन पर सख्ती से अमल हो। हालांकि पराली से खाद और बिजली बनाने से लेकर उसके कई तरह के उपयोग करने की बात सामने आती रही है, लेकिन हालात बता रहे हैं कि व्यावहारिक धरातल पर ये उपाय कारगर साबित नहीं हो रहे और समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। कहा जा रहा है कि वायु प्रदूषण में पराली जलाने से निकलने वाले धुएं की हिस्सेदारी चार फीसद है। हालांकि यह समय के हिसाब से घटती-बढ़ती रहती है और चार से चालीस फीसद तक रहने की बात है। पर यहां सवाल चार या चालीस फीसद का नहीं होना चाहिए। मुद्दा यह है पराली जलाने पर किसी भी कीमत पर रोक लगनी चाहिए। वरना सर्वोच्च अदालत के आदेशों का क्या मतलब रह जाएगा? यह भी सच है कि राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाने का एकमात्र कारण पराली नहीं है, कई और भी कारण हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया सकता। इनमें वाहनों से निकलने वाला धुआं, जगह-जगह कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, छोटी फैक्ट्रियां आदि ऐसे कारण हैं जो हवा को निरतंर खराब कर रहे हैं।

आत्मनिर्भर कृषि का संकट

सरोज कुमार

भारतीय किसान खेती के लिए आज बाजार पर निर्भर है, लेकिन वह अपनी उपज का मूल्य लागत के आधार पर निर्धारित नहीं कर पाता है, यहां तक कि उसे सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी भी नहीं मिल पाता है। कृषि का मौजूदा मॉडल किसानों के लिए आत्मघाती बन चुका है। भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार कृषि क्षेत्र लंबे समय से असहाय और उपेक्षित रहा है। कृषि और किसानों की स्थिति सुधारने की बातें और घोषणाएं तो खूब होती रहीं, लेकिन इन पर इच्छाशक्ति से अमल नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि कृषि क्षेत्र लगातार कमजोर होता गया और अर्थव्यवस्था में इसका योगदान भी घटता गया। किसान खेती छोड़ कर शहरों में दिहाड़ी मजदूरी करने को मजबूर होने लगे। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 1951 में अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान इक्यावन फीसद था, जो 2011 में घट कर उन्नीस फीसद रह गया।

आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार 2019-20 में यह योगदान घट कर 16.5 फीसद पर आ गया। यही नहीं, 1951 में जहां देश में कृषि पर सत्तर फीसद श्रमिक निर्भर थे, वहीं 2011 में यह आंकड़ा घट कर पचपन फीसद रह गया। गिरावट का यह सिलसिला जारी रहा और वर्ष 2019 में यह आंकड़ा लुढ़क कर 42.39 फीसद पर पहुंच गया। कृषि प्रधान कहे जाने वाले किसी देश के लिए ये आंकड़े किसी दुःस्वप्न से कम नहीं हैं। कृषि क्षेत्र में गिरावट के इन आकड़ों से एक बात स्पष्ट है कि इस क्षेत्र के विकास के लिए अब तक जो भी कोशिशें की गईं, वे या तो नाकाफी रही हैं, या फिर नकारात्मक रहीं, जिनका कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ। जाहिर तौर पर हमारी सरकारों ने कृषि के बदले उद्योगों को अधिक महत्त्व दिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, वित्त वर्ष 2017-18 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय का कुल व्यय एक लाख छियालीस हजार तीन अठासी करोड़ रुपए था। जबकि इसी अवधि के दौरान कारपोरेट और कारोबारी संगठनों को दिए गए कर लाभ के अनुमान दो लाख तीन हजार नौ सौ तिरासी करोड़ चौहत्तर लाख रुपए थे।

पिछले साल सरकार ने सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कारपोरेट कर में दस फीसद की कटौती की थी, जिससे उद्योग जगत को 1.45 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। जबकि 2019 में उद्योग क्षेत्र में मात्र 25.58 फीसद श्रमशक्ति रोजगाररत थी और कृषि क्षेत्र में बुरी हालत के बावजूद 42.39 फीसद श्रमशक्ति को रोजगार मिला हुआ था। बाकी 32.04 फीसद श्रमशक्ति सेवा क्षेत्र में संलग्न थी। कोरोना महामारी के बाद तो उद्योग और सेवा क्षेत्र की स्थिति और खराब हुई है।

कृषि के बदले उद्योगों को महत्त्व देने का सिलसिला आजादी के बाद से ही जारी है। अंग्रेजों को पता था कि यदि भारत में आत्मनिर्भर कृषि व्यवस्था बची रह गई, तो उनका भविष्य खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए भारत से जाते-जाते वे यहां के खेतों में गुलामी के बीज बो गए। आजादी के बाद दूसरी पंचवर्षीय योजना के साथ हमने अपना सारा ध्यान औद्योगीकरण और शहरीकरण पर केंद्रित किया। नतीजा यह हुआ कि खेती पीछे छूटती गई। इसके साथ ही गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ता गया। खेती की तरफ ध्यान तब गया जब पैरों तले जमीन खिसक चुकी थी। खिसकी जमीन को वापस हासिल करने हमने 1965 में जल्दबाजी में अमेरिकी कृषि विज्ञानी नॉरमन बोरलॉग के ग्रीन रिवॉल्यूशन के हरित क्रांति संस्करण को भारतीय कृषि विज्ञानी एमएस स्वामीनाथन के नेतृत्व में अपना लिया। बेशक हरित क्रांति ने अपना असर दिखाया और अन्न उत्पादन में खिसकी जमीन वापस हासिल करने में मदद की, लेकिन वह जमीन बाजारू बीज, रासायनिक खाद और खर्चीले उपकरणों से बनी हुई थी। उसके अपने नकारात्मक पक्ष थे। खेती महंगी होती गई और उपज के उचित मूल्य नहीं मिले। ऊपर से जमीन और पानी भी जहरीला होता गया।

कृषि का पारिस्थितिकीय तंत्र गड़बड़ा गया। किसान कर्ज और मर्ज के बोझ तले दबते गए। रही-सही कसर तत्कालीन गैट (जनरल एग्रीमेंट आन टैरिफ्स एंड ट्रेड) निदेशक आर्थर डंकल के प्रस्ताव ने पूरी कर दी। भारत ने दुनिया के एक सौ तेईस देशों के साथ इस प्रस्ताव को 15 अप्रैल, 1994 को स्वीकृति दे दी और पहली जनवरी, 1995 को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) अस्तित्व में आ गया। दुनिया के देशों की सीमाएं अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खुल गईं। फिर क्या, यूरोप और अमेरिका को भारत सहित विकासशील देशों की बबार्दी का जैसे लाइसेंस मिल गया और यूरोपीय देश अपने सस्ते कृषि उपज भारत और अन्य विकासशील देशों में पाटने लगे। विकसित देश अपने किसानों को भारी सहायता देते थे और अभी भी देते हैं, जबकि डब्ल्यूटीओ समझौते के तहत उन्हें व्यापार में समानता के सिद्धांत के आधार पर यह सहायता घटानी थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वहां के किसान अपनी उपज घाटे में बेच कर भी फायदे में थे। आयात शुल्क के अवरोध के बावजूद उनके उत्पाद भारत में सस्ते पड़ते थे। इस कठिन प्रतिस्पर्धा में महंगे भारतीय कृषि उत्पाद दुनिया के बाजारों से गायब होते गए और खेती छोड़ शहरों में दिहाड़ी मजदूर बन गए। कृषि पर निर्भर भारत की सत्तर फीसद आबादी सीधे तौर पर डब्ल्यूटीओ के इस दुष्चक्र में फंस गई। इसका परिणाम यह हुआ कि अर्थव्यवस्था का आधार खेती टूटती गई, और दूसरी ओर आयात बिल बढ़ने लगा।

भारत में आत्मनिर्भर खेती को हमेशा से उत्तम पेशा माना जाता रहा है। कहावत भी है- उत्तम खेती मध्यम वान, अधम चाकरी भीख निदान। यानी पेशे में खेती का स्थान सबसे ऊपर था। उसके बाद व्यापार, तीसरे स्थान पर नौकरी और अंतिम पायदान पर भिक्षाटन। लेकिन खेती इस कदर कमजोर हुई कि पेशे के पिरामिड में यह चौथे पायदान पर खिसक गई और समाज में शर्म का पेशा बनती गई।

नौकरी, जिसे गुलामी माना जाता था, वह पिरामिड में शीर्ष पर पहुंच गई। खेती पर निर्भर श्रमिकों के आंकड़ों में लगातार गिरावट इसका स्पष्ट प्रमाण है। लेकिन पेशे का यह आधुनिक पिरामिड कोरोना महामारी के कारण आज जब ध्वस्त हुआ तो खेती ने ही उम्मीद की किरण जगाई। वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर जहां शून्य से 24 फीसद नीचे लुढ़क गई, वहीं कृषि क्षेत्र में 3.4 फीसद की वृद्धि देखी गई। यह खेती की अपनी प्राकृतिक ताकत है जो तमाम झंझावातों के बावजूद बची हुई है। अब सरकार से लेकर बाजार तक की नजरें खेती पर टिकी हैं। लेकिन यहां यह भी देखने की जरूरत है कि ये नजरें कितनी सकारात्मक हैं और ये खेती को खड़ा करने में कितनी सहायक बनेंगी।

ऐसे समय में जब आज खेती की दशा सुधारने और किसानों की आय दोगुनी करने की कवायद चल रही है, तब कोई कदम बढ़ाने से पहले खेती के मौजूदा ढांचे पर विचार कर लेना जरूरी है। क्या यह ढांचा हमारे लक्षित लक्ष्य की पूर्ति में सक्षम है? जवाब होगा नहीं। कृषि सुधार और आय दोगुनी करने का कोई सिद्ध सूत्र अभी तक सामने नहीं आया है। हम अपने किसानों को विकसित देशों जितनी सहायता नहीं दे रहे हैं, और शायद हम उस स्थिति में हैं भी नहीं। अमेरिका में कोई किसान साल में 7,253 डॉलर की सरकारी मदद पाता है, यूरोपीय संघ के किसान को 1,068 डॉलर की सहायता मिलती है, लेकिन भारतीय किसान की किस्मत में साल में मात्र 49 डॉलर ही मदद मल पाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि हम विकसित देशों की खेती का मॉडल क्यों अपनाएं? भारतीय किसान खेती के लिए आज बाजार पर निर्भर है, लेकिन वह अपनी उपज का मूल्य लागत के आधार पर निर्धारित नहीं कर पाता है, यहां तक कि उसे सरकार द्वारा निर्धारित एमएसपी भी नहीं मिल पाता है। कृषि का मौजूदा मॉडल किसानों के लिए आत्मघाती बन चुका है। इसलिए हमें खेती की लागत घटाने के समयसिद्ध सूत्र पर लौटना चाहिए। महात्मा गांधी का मानना था कि आत्मनिर्भर खेती के बगैर ग्राम स्वराज संभव नहीं है और ग्राम स्वराज के बगैर स्वतंत्रता का अर्थ नहीं है।

अधूरा इश्क

यूँही मुकम्ल नही होता है इश्क किसी का।
किस्मत से मिलता है मोहब्बत का फरिश्ता।।
चाहत तो होती है हर किसी को पाने की इसे ।
पर इतनी आसानी से दिलबर नही मिलता ।।
अथूरे इश्क को निभाने की चाहत है बड़ी ।
सुना है शमा को परवाना नही मिलता ।।
ख्वाब आंखों में लिऐ सोते हैं रोज़ तेरा ।
तेरा दीदार जो हकीकत में नही होता।।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)

शायरी मे दर्द सारा बह गया

लब न खोले और वो सब कह गया,
फिर भी कहने को बाकी रह गया।
जिंदगी के क़हक़हे गुम हो गए,
शायरी में दर्द सारा बह गया।
हाथ में सूरज उगाने जब चली,
कुछ हथेली पर उबलता रह गया।
हम कसक अपनी छुपा पाए नही,
आरिजों पर सब उबलकर बह गया।
कुछ अजब रंगत है मेरे यार की,
जो भी देखा देखता ही रह गया।
इस दिले नादां की हालत क्या कहें,
पत्थरों की चोट हंसकर सह गया।

अभिलाषा सिंह,शिक्षिका एवं कवियित्री
जनपद-प्रयागराज,उत्तर प्रदेश

लक्ष्य की ओर

सब कुछ खोते खोते हम पाने लगते हैं खुद को,
जब कुछ भी शेष नहीं रहता हमारे अंदर, ना कोई तर्क, ना कोई संशय, ना भय, ना द्वंद, ना लोभ, ना द्वेष, ना कोई विचार
सब कुछ शून्य होकर,
रह जाती हैं शांति और भाव बस प्रेम का,
बस यही मार्ग दिखता हैं उचित हमें,
जिस पर चलने का प्रयास करते करते,
हम एक यात्रा करने लगते,
जिसके रास्ते हमें अध्यात्म के शिखर तक ले जाने लगते हैं।
जहां से पीछे लौटना असंभव सा लगता और आखिर लौटना भी क्यों?
किस लिए?पुनः खुद को खोना ही क्यों? जब इस मार्ग पर पहुंच ही गए हो
तो आगे बढ़ना,उच्च शिखर पर, मंजिल पर ही सही हैं,
जो समस्त मानव जाति का लक्ष्य भी हैं।सच्चे मायने में जो तुम्हें समझेगा,
वो इस यात्रा में भी तुम्हारे साथ होगा,
कदम से कदम मिलाकर चलेगा,
साथ साथ, सच्चा हमसफ़र वही होगा,
और कोई ना भी चला साथ तो डर कैसा? अकेले आए थे अकेले जाना है,
तुम्हें यह भी तो मालूम हैं।

दिव्या सक्सेना, कलम वाली दीदी
श्री कृष्ण कॉलोनी,सिकंदर कंपू, लश्कर ग्वालियर,

दुर्गा देवी गीत

शेर की करती सवारी।
हाथ में लेकर कटारी।
माँ चली आई हमारी।
मैं करूँ स्वागत तुम्हारी।
पाप जग में है बढ़ा माँ।
दुष्ट पापी को मिटा माँ।

फिर दिखा शक्ति यहाँ पर।
अब जगत त्राहि यहाँ पर।
दुःख कष्टों को मिटाओ।
पापियों से अब बचाओ।
आसमां रोता जमीं भी।
अब आँखों में नमी भी।
माँ हमे भव से बचाओ।
पार नैया अब लगाओ।
वंदना नित दिन करूँ मैं,
ध्यान तेरा ही धरूँ मैं।
अंजु दास गीतांजलि....??

अंजु दास गीतांजलि
पति - श्री संजय कुमार दास
शिव शक्ति नगर , पंचायत भवन
नेवालाल चौक , पूर्णियाँ (बिहार)

प्यारे दांपत्य की परिभाषा

आज शादी की सालगिरह नही बस एसे ही दोनों के मन में एक दूसरे के प्रति संवेदना के सूर जगे। आज उन्होंने गाल थपथपाते पूछा थक तो नहीं गई ? कसम से पूरी ज़िंदगी की थकान उतर गई÷ और मैंने लिख दिए मन के कोने में छुपे भाव। लग्नवेदी की अग्नि को साक्षी मानकर उन्होंने थामी थी जब अपने मजबूत कर से मेरी नाजुक हथेली तब शंकित मन में डर की थी एक पहेली। अनजाने इंसान के संग नये सफ़र पर निकल तो पड़ी हूँ क्या पता राह होगी कंटीली या फूलदल सी मखमली। अग्नि के इर्द-गिर्द फ़ेरे लेते हर फ़ेरे में वो आगे रहे कसम खाते मुझे संभालने की। आखरी फ़ेरे में मैं आगे थी वो पीछे , उनके सरमाये का वहन करने की जिम्मेदारी जो ली थी। आज भी वो रहते तो पीछे ही है पर हाथ जोड़कर खड़े नहीं रहते मेरी रीढ़ को अपने हौसले से सहलाते हुए उर्जा का तेल सिंचते रहते है। मेरे लड़खड़ाते कदमों की बैसाखी बनकर गुनगुनाते रहते है पीछे से मेरे कानों में एक अकेला थक जाएगा मिलकर बोझ उठाना। मैं आगे सही बस मुझको मान देने की ख़ातिर खुद पीछे चलते है लगाम जीवन रथ की थामें सारथी से सहज ओर सरल जीवन पथ बनाते। हाँ सप्तपदी के सातों वचन उसने भी तो लिए थे मांग में सजाई चुटकी भर सिंदूर का मान रख रहे है। एक सूत्र में बंधे दो उर हाथों में हाथ लिए ज़िंदगी के सफ़र के हर पड़ाव पर एक दूसरे को समझते, संभालते निभा रहे है हर कसम, हर रस्म अदायगी की कोशिश में कोई किसीको गिरने नहीं देता। उसका काँधा मेरा सलामत आशियाँ है और मेरा आँचल उनका सुकूनगाह। बिन बोले चेहरे की शिकन को पहचानने का हुनर सिख गए है दोनों, वो मेरी आँखें पढ़ लेते है, मैं उनका मिजाज़। उन्होंने पत्नी तो कभी समझा ही नहीं आज तक प्रेयसी ही रही। मेरे एक-एक पल को खुशहाल लम्हों में ढ़ालने की उनकी कवायद उफ्फ़ मैं कायल हूँ उनकी। मेरे अश्रु को उन्होंने अपने सर चढ़ा लिया है मेरे होंठों की हंसी उनके जीवन का मकसद है अपनी हर तमन्ना मेरे कदमों में रख दी है। ज़िंदगी के समुन्दर में सैलाब भी आते है वक्त की मार की मौजे डगमगा देती है मेरे हौसलों को पर कश्ती को किनारे लगा देता है मेरा मांझी पीछे से आकर हौले से अपनी पनाह में लेते। एक सफ़र को सरल बनाने की जद्दोजहद नहीं करती मैं। उन पर मेरा यकीन निश्चिंत बनाता है मुझे चाहे कितनी तेज भागूँ दो मजबूत बाँहें मेरे आसपास मौजूद है मुझे थामने। जिस भरोसे के साथ मैंने खुद को सौंपा था एक अजनबी को वो भरोसा कायम है आज इतने सालों बाद भी। दांपत्य की नींव रखी थी जिस भरोसे पर, यकीन के उस टीले पर टिकी है नींव हमारे प्यार की। ताउम्र मैं आगे चलूँगी वो पीछे ही ठीक है, आगे रहूँगी तभी आखरी पड़ाव में उनके हिस्से की मौत को मैं पहले गले लगाऊँगी उनके काँधे पर चढ़कर जाऊँगी अनंत की डगर पर एक नये सफ़र का रुख़ करते अगले जन्म में इंतज़ार करूँगी इस प्यारे साथी को पानेके लिए। मेरा कुछ ना कहना फिर भी तुम्हारा सबकुछ समझ जाना मेरी ज़िंदगी में साँसे भरता है उनका ये कहना मेरी ज़िंदगी की सारी थकान हर लेता है।

सभावु।

मां की महिमा अपरंपार

लाल चुनरियों से सजा
माता का दरबार
दूर दूर से दर्शन करने

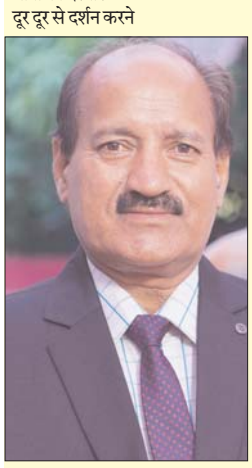

पहुँचे भक्त हज़ार
मन की मुरादें कर मां पूरी
दर्शन को मैं भी आया तेरे द्वार
मैं मूर्ख अज्ञानी माता
दर्शन दे दो बस एक बार
तेरी महिमा तू ही जाने
तू ही है मां आदि अनंत
पापियों का संहार करे मां
ध्यान लगावे साधु और संत
कभी तू काली बन कर के
दुष्टों का संहार है करती
कभी तू सरस्वती का रूप है धरती
विद्या से झोलियाँ है भरती
गौरी संग महादेव के
कैलाश पर कभी विराजे
बैकुंठ में लक्ष्मी बन कर
विष्णु जी के संग है साजे
दुष्ट पापी और अत्याचारी
ढोंगी,पाखंडी ,बलात्कारी
बढ़ रहे अब चारों ओर
छाई है घटा काली घनघोर
बेटी और नारी पर अब
विपदा बहुत हैं आन पड़ी
माता अब तुम आ जाओ
परीक्षा की है अब यह घड़ी
खड्ग खप्पर धारण कर माता
अब तुम जग में आ जाओ
अत्याचारी बढ़ गये धरा पर
उनसे मुक्त करा जाओ

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपर हि प्र

अपराध मुक्त समाज के लिए कानून या नैतिकता का कितना महत्व ?

डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन

जब से मानव का उदय सृष्टि में हुआ तबसे अपराध होना शुरू हैं। मानव में मन होने से वह अन्य जानवरों से श्रेष्ठ जानवर बन गया या माना जाने लगा। मनयुक्त होने से उसमे विचारणा शक्ति आने से वह विवेक पूर्ण कृत्य करता हैं, यह जरुरी नहीं है कि उसके हर कृत्य सही हों। मन बहुत चंचल होता हैं। मन के बारे में कहा जाता हैं की मन बन्दर के सामान चंचल होता हैं, उसके बाद वह शराब पी ले और उसे बिच्छू काट ले तब उसका उपद्रव देखो। मम चंचल के साथ कल्पनालोक में कहाँ से कहाँ ले जाए पता नहीं चलता।

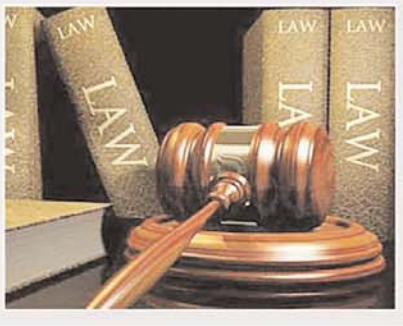

सबसे पहले संसार सञ्चालन के लिए नियम बनाये गए, उन नियमों में जब जब किसी को नुक्सान होना शुरू हुआ तब उनमे संशोधन या सुधार किये गए। या ऐसा भी कह सकते सुधार के लिए संशोधन किये गए। संसार में जितने भी नियम बने हैं वे पंच पापो के लिए बनाये गए हैं। आज पूरे विश्व की कानूनों की किताबों को जोड़ा जाय तो उनकी श्रंखला कश्मीर से कन्याकुमारी तक हो सकती हैं। ये पाप हैं हिंसा, झूठ, चोरी,कुशील और परिग्रह।आज हर जगह /मीडिया /पेपर आदि हिंसा आदि पापों से भरे पड़े रहते हैं। जितने भी पाप हैं या अपराध या नियम या कानून इन्ही पंच पापों के लिए बनाये गए हैं। हमारे धार्मिक और न्यायिक ग्रंथों में इन पंच पापों के निराकरण के लिए अपराध सम्बन्ध कानून और व्रत बताये गाये हैं।

पापों का निराकरण पंच व्रतों के पालन से होता हैं --हिंसा का विरोधी अहिंसा, झूठ का विरोधी सत्य, चोरी का विरोधी अचौर्य, कुशील का विरोधी ब्रह्मचर्य और परिग्रह का विरोधी अपरिग्रह। इन पांच पापों का यदि मनुष्य अध्ययन कर ले तो उसके जीवन में सदाचार आना शुरू हो जायेगा, नैतिकता जीवन में आएगी और सद्वृत्ति होने से वह सात्विक जीवन को उतारेगा।

अपराधों की रोकथाम जितना हिस्सा कानूनों का हैं उससे अधिक धार्मिकता जीवन में आ जाये तो बहुत सीमा तक अपराधों की रोकथाम हो सकती हैं। इसके लिए जरूरी हैं जो हमारे समाज के नेता, संत, महंत, मुखिया को अपना चारित्र नैतिकता युक्त होना चाहिए। आज पर उपदेश कुशल बहुतेरे। यानी जनता, समाज से यह अपेक्षा की जाती हैं वे नैतिक हो खुद अनैतिकता से लिप्त हैं। जब तक समाज में दुहरापन होगा तब तक अपराधों में कमी होना असंभव होगा।

हर मनुष्य हर प्रकार की सुविधा चाहता हैं। धरम की मान्यता हैं की हम जो कुछ सुख दुःख पाते हैं वे हमारे द्वारा किये गए पुण्य पाप के फल हैं, कुछ पूर्व जन्म के और अभी के किये गए कर्म। जैसे कोई चोरी करता हैं तो वह पकड़ा नहीं जाता और कोई तुरंत पकड़ा जाता हैं और दण्डित होता हैं। यदि बच्चों को शुरू से अच्छे संस्कार देना चाहिए, गुरुओं के सानिध्यय में कुछ नियम लेना चाहिए, शालाओं कॉलेजों, और कार्यस्थल में अच्छा वातावरण रहे तथा सकारात्मक सोच पैदा करना चाहिए।

साथ ही इस बात की जानकारी देना चाहिए यदि हम नैतिकता और धार्मिक मान्यताओं को नहीं माना उससे उसके जीवन में विपरीत प्रभाव पड़ेगा और संभव हो आगामी जीवन भी दुःख होगा। हमारे कर्मों की रिकॉर्डिंग हमेशा होती रहती हैं। उनमे कोई बदलाव नहीं कर सकता। न्याय हमेशा साक्ष्य पर आधारित होता हैं, कभी कभी साक्ष्य के अभाव में वह अपराध मुक्त हो जाता हैं और कभी कभी साक्ष्य के कारण अपराधी मान लिया जाता हैं। या न्यायलय में लोभ लालच से बच में जाते हैं और कभी कभी दण्डित होकर सजा भुगतना पड़ता हैं। दंड दंड होता हैं जैसे हथकड़ी सोने की हों या लोहे की वह हथकड़ी ही कहलाती हैं।

ऐसे कोई कहे में जेल में बड़ा सुखी रहता हूँ मेरी वहां प्रतिष्ठा हैं। अपराधियों की कभी भी सामाजिक और राजकीय प्रतिष्ठा नहीं मिलती। राजा के द्वारा अपमानित व्यक्ति हर जगह अपमानित होते हैं। अपराधियों को कोई भी सामाजिक, पारिवारिक सम्मान नहीं मिलता। जबकि धर्म और नैतिकता को पालन करने वालों की हर जगह इज्जत मिलती हैं। आज जरुरत हैं की व्यक्ति को धर्म और नैतिकता का पालन करना और जो हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार और अधिक जमाखोरी करने वालों को परामर्श के साथ नैतिकता की शिक्षा देनी होगी। जिस प्रकार तराजू के दो पलड़े होते हैं उसी प्रकार पाप और धर्म या व्रतों को समता रूपी ज्ञान से समझना होगा। जो पलड़ा भारी होता हैं वह नीचे जाता हैं और जो हल्का होता हैं वह शिखर पर जाता हैं। यह हमारे ऊपर हैं हम किसको अंगीकार करें।

नवरात्रि में मराठी मुलगी बनीं अंकिता लोखंडे

पवित्र रिश्ता शो से लेकर मणिकर्णिका और बाघी 3 फिल्म में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने नवरात्रि के मौके पर फैंस को खास तोहफा दिया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में मराठी अवतार में कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं जिनके साथ उन्होंने मराठी चीजों के प्रति अपना प्यार भी दिखाया है। इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में अंकिता लोखंडे नौवारी साड़ी पहने हुए पूरी मराठी मुलगी नजर आ रही हैं। इन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, मराठी जूलरी, मराठी खाने और मराठी दुल्हन के लिए मेरा प्यार। जय महाराष्ट्र, मी मराठी, नवरात्रि। जय माता दी। सामने आई तस्वीरों में एक्ट्रेस ने हरे और मेहरून रंग की नौरावी साड़ी पहनी है। साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने गोल्ड जूलरी- हार, ईयररिंग, कंगन और कमरबंध भी पहना है। बंधे बाल और माथे का ट्रेडिशनल टीका अंकिता के लुक में चार चांद लगा रहा है।

महालक्ष्मी पूजा के दौरान भी अपनाया था मराठी गेटअप

गणेश चतुर्थी के दौरान अंकिता के घर में महालक्ष्मी पूजा आयोजित हुई थी। इस दौरान एक्ट्रेस ने मराठी अवतार में पूजा की थी। इस पूजा की कुछ तस्वीरें भी एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर की थीं जिसमें वो अपनी मां के साथ नजर आई थीं। अंकिता के गेटअप से साफ होता है कि वो वाकई मराठी मुलगी हैं।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए पिता

अंकिता लोखंडे के पिता शशिकांत लोखंडे सितम्बर में अस्पताल में भर्ती हुए थे। एक लंबे समय बाद अब एक्ट्रेस के पिता घर ठीक होकर घर वापस आ चुके हैं। अंकिता अपने माता-पिता से बेहद क्लोज हैं ऐसे में एक्ट्रेस ने उनकी वापसी पर एक भावुक नोट लिखा था।

नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंग का सामने आया वेडिंग कार्ड

सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह की शादी का कार्ड इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। अभी तक की सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए इस कार्ड में शादी की तारीख भी सामने आ गई है। खबरों के मुताबिक, नेहा और रोहनप्रीत की शादी का कार्ड एक फैन क्लब ने शेयर किया है। वेडिंग कार्ड में सारी डिटल्स दी हुई हैं। 26 अक्टूबर, 2020 को नेहा और रोहनप्रीत सात फेरे लेकर शादी के बंधन में बंध जाएंगे। इसके साथ ही रिसेप्शन का वेन्यू पंजाब स्थित है। कुछ दिनों पहले नेहा और रोहनप्रीत ने अपने रिलेशनशिप की बात को कन्फर्म करते हुए एक पोस्ट शेयर की थी। दोनों ने इंस्टाग्राम पर अपना स्टेटस कन्फर्म कर, फैन्स को खुशखबरी सुनाई थी। खबरें ऐसी भी आ रही थीं कि यह सब चीजें नेहा और रोहनप्रीत के नए गाने के लॉन्च के कारण हो रही हैं। नेहू द व्याह नाम से इनका एक सॉन्ग लॉन्च हो रहा है, जिसके प्रमोशन के लिए यह चीजें की जा रही हैं। फैन्स भी दोनों की शादी की कयास लगाने लगे थे। इसके अलावा कई बॉलीवुड सेलेब्स को कन्फ्यूजन भी था कि यह गाने के लॉन्च के लिए हो रहा है या फिर इनकी सच में शादी हो रही है।

जब कुणाल को सोहा की अंग्रेजी समझने के लिए बीच में ही रोकनी पड़ी थी लड़ाई

बॉलीवुड एक्टर कुणाल केमू और एक्ट्रेस सोहा अली खान काफी क्यूट कपल माने जाते हैं। पटौदी खानदान की बेटी सोहा ने ऑक्सफोर्ड से पढ़ाई की है। कुणाल एक वीडियो में बताते हैं कि सोहा की इंग्लिश बहुत अच्छी है। कभी-कभी उन्हें भी उनके सामने डिक्शनरी की जरूरत पड़ जाती है। वीडियो की शुरूआत में कपिल शर्मा कुणाल से एक अफवाह को कन्फर्म करने के लिए पूछते हैं कि क्या वह सोहा की अंग्रेजी को समझने के लिए अपने साथ एक डिक्शनरी रखते हैं? तब कुणाल एक पुराना किस्सा बताते हैं कि किस तरह उन्हें एक शब्द का मतलब देखने के लिए लड़ाई को बीच में ही रोकना पड़ा था।अपने डेटिंग के दिनों को याद करते हुए कुणाल शो पर कहते हैं वह ऑक्सफोर्ड गई है तो उसकी बड़ी पक्की इंग्लिश है। हम यहां पढ़े हैं तो हमारी इतनी ही इंग्लिश है। हम जब झगड़ते थे, मैं हिंदी में झगड़ता हूं, वह अंग्रेजी में झगड़ती है। बीच झगड़े में एक ऐसा बड़ा वर्ड फेंक दिया मेरे पर जो मुझे समझ ही नहीं आया। कुणाल ने लड़ाई को रोकते हुए सोहा से कहते हैं रुको में बाथरूम हो कर आया। इसका कारण बताते हुए वह शो में कहते हैं दरअसल मैं कंफ्यूज था कि मुझे गुस्सा होना चाहिए या नहीं। मैं बाथरूम गया और मैंने वो बड़ गूगल किया, फिर कहा ये तो ठीक है चलो आगे बढ़ते हैं। लेकिन इसके बाद मेरी वोकैब्लरी काफी अच्छी हो गई है। सोहा के जन्मदिन पर, कुणाल ने सोशल मीडिया पर गले लगाते हुए उन दोनों की एक प्यारी फोटो शेयर की थी। कुणाल ने लिखा कि- इकलौती ऐसी इंसान जो मुझे पूरी तरह जानती है। जो मेरी सारी फीलिंग्स को समझती है। जो मेरे दुःख में मेरे लिए रौशनी बनती है। हैप्पी बर्थडे लव। वह बताते हैं कि दोनों पहली बार 2009 में उनकी फिल्म ढूंढते रह जाओगे के सेट पर मिले थे लेकिन दोनों ने मुश्किल से ही एक-दूसरे से बात की थी। जिसके बाद पेरिस में कुणाल ने सोहा को प्रोपोज किया था। इन दोनों की शादी 25 जनवरी 2015 को हुई थी और अब इनकी इनाया नाम की एक बेटी भी है।

रुबीना दिलैक के पति के साथ डेट पर जाना चाहती हैं पवित्रा पुनिया

बिग बॉस 14 में पवित्रा पुनिया घर के नए लोगों में सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। पवित्रा ने हाल ही में अभिनव शुक्ला के साथ डेट पर जाने की इच्छा जाहिर की है। उनकी इस बात को सुनने के बाद, अभिनव की पत्नी रुबीना दिलैक ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें इससे कोई दिक्कत नही है। टेलीचक्कर डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, एक अनसीन वीडियो मे जैस्मीन भसीन, रुबीना से कहती हैं कि वह अपने अभिनव को जिम एरिया से लेकर चली जाएं। इसका कारण बताते हुए वह कहती हैं, पवित्रा ने अभिनव को डेट पर ले जाने की इच्छा जाहिर की है। इसे सुनने के बाद रुबीना, पवित्रा के पास जाती हैं और बहुत सहज होकर कहती हैं, उन्हें अभिनव के साथ डेट पर जाना चाहिए, क्योंकि वह एक दिलचस्प इंसान हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पवित्रा, रुबीना से अभिनव के बारे में बात करती है और कहती है कि अभिनव एक इंटेलेक्चुअल इंसान हैं वह उनके साथ एक संतुलित बातचीत कर सकती है। पवित्रा यह भी कहती हैं कि अगर अभिनव शादीशुदा न होते तो वह उन्हें पक्का डेट करतीं। ऐसे में रुबीना जवाब देती हैं कि वह उनके साथ डेट पर जा सकती हैं, इससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। रुबीना दिलैक और पवित्रा की यह बातचीत देखने से लगता है कि छोटे-मोटे झगड़ों के बीच उनकी दोस्ती उभरकर सामने आ रही है। शो में पवित्रा घर के सभी सदस्यों के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने की कोशिश में लगी हुई हैं। हालांकि, उनके और एजाज के बीच के रिश्तों में कुछ खटास जरूर आई है ।

बधाई हो के सीक्वल बधाई दो का अनाउंसमेंट-

राजकुमार राव और भूमि पेडणेकर पहली बार एक साथ काम करेंगे, जनवरी से शुरू होगी शूटिंग

बधाई हो के सीक्वल की तैयारियां शुरू हो गई हैं। फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू की जाएगी। बधाई हो के मेकर्स जंगली पिक्चर्स ने अब इस फिल्म की घोषणा की है। फिल्म में राजकुमार राव और भूमि पेडणेकर लीड रोल निभाएंगे। ये दोनों कलाकार पहली बार किसी फिल्म में एक साथ काम कर रहे हैं। बधाई दो में राजकुमार राव दिल्ली के फिल्म वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे। राजकुमार राव का किरदार इंट्रेस्टिंग है। वो महिला थाने में अकेले पुरुष अफसर रहेंगे। जबकि, भूमि फिल्म में स्कूल की पीटी टीचर का रोल निभाती दिखेंगी। बधाई दो की स्क्रिप्ट भी बधाई हो के राइटर अक्षत घिल्डियाल और सुमन अधिकारी ने लिखी है। फिल्म को हर्षवर्धन कुलकर्णी डायरेक्ट करेंगे। राजकुमार राव ने कहा- मैं खुश हूं कि चीजें रफ्तार पकड़ रही हैं और पहिया फिर से घूम रहा है। बधाई दो मेरे लिए एक खास फिल्म है। मैं इस किरदार को लेकर खुश हूं। ये ऐसा आदमी है, जिसके आस-पास और खुद की काफी परेशानियां हैं, जो उसे सुलझानी हैं। जहां तक तैयारियों की बात है, तो कैरेक्टर को लेकर मेरी अपनी तैयारियां रहती हैं, अब बधाई दो के कैरेक्टर ने इस तैयारी को यूनीक बना दिया है। दर्शकों को सरप्राइज का इंतजार है, जो वक्त के साथ सामने आएगा। मैं खुश हूं कि ऑडियंस के साथ बधाई हो की एनिवर्सिरी पर जुड़ूंगा। पूरी टीम ने बहुत ही खूबसूरत फिल्म बनाई है। फिल्म की कहानी बधाई हो से काफी अलग है, पर इसके किरदारों को देखकर दर्शकों को बहुत मजा आएगा। डायरेक्टर हर्षवर्धन कुलकर्णी ने कहा- फैमिली कॉमेडी एवरग्रीन होती है। इसका लुत्फ पूरी फैमिली के साथ बैठकर उठाया जा सकता है। मैं राजकुमार राव के साथ पहली बार काम कर रहा हूं और इस बात को लेकर बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। महामारी के दौरान हम लोगों को पढ़ाई के लिए काफी वक्त मिल गया और राजकुमार व भूमि की केमेस्ट्री भी साफ नजर आ रही है।

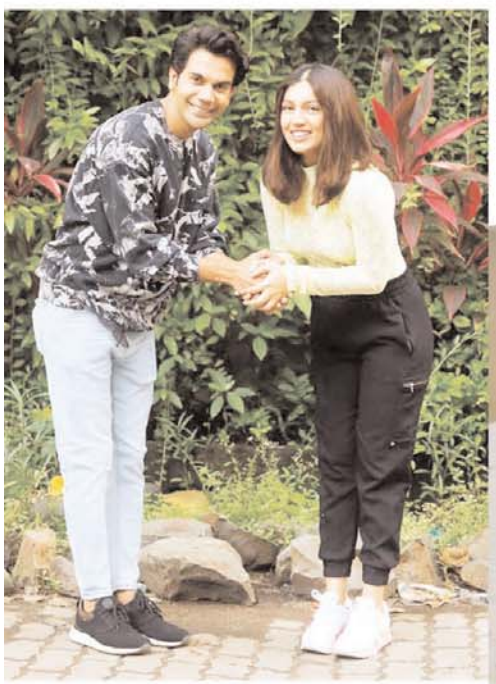

वेकेशन एंजॉय कर रही हैं उर्वशी रौतेला

ऊंट की सवारी से लेकर जिराफ को खाना खिलाया

उर्वशी रौतेला फैमिली संग दुबई में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। इससे जुड़े कई वीडियो और फोटोज उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। वह हमेशा से ही अपने स्टाइल के लिए जानी जाती हैं और हर इवेंट में उनकी खूबसूरती के काफी चर्चे होते हैं। उर्वशी रौतेला ने वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह ग्लैमरस गाउन में ऊंट की सवारी एंजॉय करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक वीडियो में वह जिराफ को खाना खिलाती दिखाई दे रही हैं। बता दें कि हाल ही में उर्वशी ने ऋतिक रोशन संग उनका नाम जोड़े जाने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया स्पेस में बहुत नकारात्मकता है, जिसने मुझे मानसिक रूप से मुझे प्रभावित किया है। उर्वशी ने कहा, मुझ पर कई झूठे आरोप लगे थे कि मैं रात 2 बजे से सुबह 4 बजे तक ऋतिक रोशन से फोन पर बात किया करती थी। इन झूठे आरोपों से सेलिब्रिटीज को नुकसान होता है, चाहे वह स्टार किड हो या एक बाहरी व्यक्ति। महत्वपूर्ण बात जो मैंने नोटिस की वह यह है कि इस तरह की कहानियां स्टार किड्स के लिए कभी नहीं होती हैं। मैं ऋतिक और उनके काम की प्रशंसक हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे पास उनके लिए एक प्यार का एंगल है। ये चीजें मानसिक स्वास्थ्य वाले लोग को प्रभावित करती हैं और शायद सुशांत के साथ भी यहीं हुआ होगा। उर्वशी रौतेला को आखिरी बार एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में देखा गया था, जिसका नाम वर्जिन भानुप्रिया था। इसमें गौतम गुलाटी और अर्चना पूरन सिंह ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में उर्वशी अपनी आगामी तेलुगु फिल्म ब्लैक रोज की शूटिंग में व्यस्त हैं।

न्यूज. ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री जावडेकर की पहल प्रदूषण पर करेंगे जनता से संवाद

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ चल रही जंग से जनता को सीधे जोड़ने की पहल की है। वह रविवार को

जनता के साथ सोशल मीडिया पर संवाद करेंगे। फेसबुक लाइव के दौरान उनसे सवाल पूछने के साथ प्रदूषण से निपटने को लेकर अपने सुझाव भी दे सकेंगे। इसके लिए एक हैशटैग भी जारी किया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर फेसबुक पर लाइव होंगे। फेसबुक पर 'आस्कप्रकाशजावडेकर' हैशटैग के साथ कोई भी व्यक्ति अपने सवाल, सुझाव केंद्रीय मंत्री तक भेज सकता है। जावडेकर ने इस कार्यक्रम को लेकर कहा, मैं आप सभी लोगों से प्रदूषण के मुद्दे पर बातचीत करूंगा। नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को साझा करूंगा। हम विश्वास करते हैं कि समस्या को स्वीकार करना ही इसके समाधान की शुरूआत है।

सुको ने अपील दायर करने में विलंब पर अधिकारियों पर जताया गुस्सा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उसके समक्ष अपीलें दायर करने में सरकारी अधिकारियों द्वारा हाअत्यधिक विलंबह्व करने पर नाखुशी प्रकट की और कहा कि उन्हें न्यायिक वक्त बर्बाद करने का खामियाजा भुगतना चाहिए। न्यायमूर्ति एस के कौल की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ऐसी जगह नहीं हो सकती है कि अधिकारी कानून में निर्धारित समय सीमा की अनदेखी कर जब जी चाहे, आ जाएं। न्यायमूर्ति कौल और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने कहा हमने मुद्दा उठाया है कि यदि सरकारी मशीनरी समय से अपील/याचिका दायर करने में इतनी नाकाबिल और असमर्थ है तो समाधान यह हो सकता है कि विधानमंडल से अनुरोध किया जाए कि अक्षमता के चलते सरकारी अधिकारियों के लिए अपील/याचिका दायर करने की अवधि बढ़ाई जाए। पीठ ने 663 दिनों की देरी के बाद मध्यप्रदेश द्वारा दायर की गई अपील पर अपने आदेश में कहा जब तक कानून हैं, तब तक अपील/याचिका निर्धारित अवधि के अनुसार दायर करनी होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि देरी के लिए क्षमा आवेदन में कहा गया है कि दस्तावेजों की अनुपलब्धता एवं उनके इंतजाम की प्रक्रिया के चलते देर हुई और यह भी कि नौकरशाही प्रक्रिया कार्य में कुछ देर होती है।

भारत के हाथ से निकलने वाली है ईरान की एक बड़ी गैस परियोजना

नई दिल्ली। भारत अपनी एक कंपनी द्वारा ईरान में खोजे गए एक बड़े गैस क्षेत्र के विकास और गैस-निकासी की लंबे समय से अटकी परियोजना से वंचित होने वाला है। सूत्रों के अनुसार ईरान ने फारस की खड़ी की फरजाद-बी परियोजना का काम अपनी घरेलू कंपनियों को देने का निर्णय किया है। ईरान इस समय सख्त अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों से जूझ रहा है। ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) के नेतृत्व में भारतीय कंपनियों का एक समूह परियोजना पर अब तक 40 करोड़ डॉलर खर्च कर चुका है। फरजाद-बी ब्लॉक में गैस के विशाल भंडार की खोज 2008 में भारतीय कंपनी ओएनजीसी विदेश लि (ओवीएल) ने की थी। ओवीएल सरकारी कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की अनुषंगी है। ओएनजीसी ने इसे विदेशी परियोजनाओं में निवेश करने के लिए बनाया है। ओवीएल ने ईरान के इस गैस क्षेत्र के विकास पर 11 अरब डॉलर खर्च करने की योजना बनाई थी। ओवीएल के प्रस्ताव पर ईरान वर्षों तक कोई निर्णय नहीं किया। जानकार सूत्रों के अनुसार ईरान की नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) ने इस साल फरवरी में कंपनी को बताया कि वह फरजाद-बी परियोजना का ठेका किसी ईरानी कंपनी को देना चाहती है। उस फील्ड में 21,700 अरब घनफुट गैस का भंडार है। इसका 60 प्रतिशत निकाला जा सकता है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के जंगलों में मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गए हैं। कोसमी-किसनेली जंगल में शाम को सी-60 कमांडो ऑपरेशन के तहत जंगल में सघन अभियान अब भी जारी है। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ शाम को करीब चार बजे कोसमी-किसनेली जंगल में हुई। पुलिस ने एक बयान में कहा कि "गढ़चिरौली पुलिस के सी-60 कमांडो धनोरा तालुका के जंगली इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी नक्सलियों ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दी।' बयान में कहा गया है कि "पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली वहां से भाग गए।" बाद में तलाशी के दौरान वहां पांच नक्सलियों के शव मिले।

एक नजर इधर भी नई दिल्ली में झंडेवालान मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर दिवस पर पूजा अर्चना करते भक्तगण।

चीन को 40 हजार करोड़ रुपए का झटका देने में जुटे भारतीय व्यापारी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश भर में इस वर्ष की दिवाली को हिन्दुस्तानी दिवाली के रूप में मनाने के कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आव्हान को देश के कोने कोने में ले जाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके जरिये व्यापारी वर्ग चीन को दिवाली फेस्टिवल पर लगभग 40 हजार करोड़ रुपये का बड़ा झटका देने को तैयार है। कैट के इस अभियान को देश भर से व्यापक समर्थन मिल रहा है। जहाँ व्यापारियों ने चीनी सामान को नहीं बेचने का संकल्प लिया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने आज यहां एक संयुक्त वक्तव्य में बताया की भारत में दिवाली त्यौहार के सीजन पर लगभग 70 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होता है जिसमें सोना चांदी, ऑटोमोबाइल जैसे महंगे रिटेल व्यापार भी शामिल हैं। इस 70 हजार करोड़ के व्यापार में लगभग 40 हजार करोड़ रुपये का सामान बीते वर्षों में चीन से आयात होता है। इस वर्ष जून महीने में जिस तरह से चीन ने 20 भारतीय जवानों को निर्दयता के साथ मारा है। दिवाली के त्योहारी सीजन में वैसे तो हर वर्ग का व्यापारी अपनी तैयारी कर रहा हैं किन्तु खास तौर पर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक एवं इलेक्ट्रिकल सामान, खिलौने, होम फर्निशिंग, किचेन एक्सेसरीज, गिफ्ट आइटम्स, घड़ियाँ, रेडीमेड गारमेंट्स, फैशन के कपडे, फुटवियर, कॉस्मेटिक्स, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, फर्नीचर, एफएमसीजी प्रोडक्ट्स, कंस्यूमर ड्युरेबल्स, ऑफिस स्टेशनरी, दिवाली की पूजा और दिवाली पर घर का सामान आदि बड़ी मात्रा में बिकने की संभावना है। उन्होंने बताया की कैट ने चीन के सामानों के विकल्प के रूप में देश भर में लघु उद्योगों की जानकारी करते हुए उन्हें अधिक उत्पाद बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

नहीं रहे डॉ. जोसेफ मार थोमा, पीएम मोदी सहित दिग्गजों ने श्रद्धांजलि

पथानामथिट्टा ■ एजेंसी

केरल के पथानामाथिट्टा में मशहूर मार थोमा चर्च के प्रमुख डॉ. जोसेफ मार थोमा मेट्रोपॉलियन का आज यानी 18 अक्टूबर को सुबह निधन हो गया है। 90 वर्ष की आयु में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उम्र संबंधित बीमारी के चलते उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि उन्हें सांस लेने में दिक्कत थी। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, सहित कई दिग्गजों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि डॉ. जोसेफ मार थोमा मेट्रोपॉलिटन एक धनी और उल्लेखनीय व्यक्तित्व थे, जिन्होंने ताउम्र मानवता की सेवा की और गरीबों और दलितों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। लोगों के मन में उनके प्रति साहनुभूति, विनम्रता और श्रद्धा है'। पीएम मोदी ने उन्हें विनम श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके नेक आदर्शों को हमेशा याद किया जाएगा। इससे साथ ही प्रधानमंत्री ने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें में उन्होंने लिखा कि कुछ महीनों पहले उन्हें उनके 90वें जन्मदिन समारोह पर संबोधन का मौका मिला था। प्रधानमंत्री ने तब डॉ. जोसेफ को लंबे जीवन और सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य की बधाई देते हुए उनके स्वास्थ्य की कामना की थी।

कोरोना: देश में अब तक 74.94 लाख केस 65.94 लाख से ज्यादा लोग ठीक हुए

स्वास्थ्य मंत्री ने भी माना- देश के कुछ हिस्सों में कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंचा कोरोना

- 1.14 लाख मरीजों की मौत हुई, अभी 7.85 लाख मरीजों का चल रहा इलाज, सबसे ज्यादा एक्टिव केस महाराष्ट्र में

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार को सोशल मीडिया पर "संडे संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह माना कि देश के कुछ हिस्सों में कोरोनावायरस कम्युनिटी ट्रांसमिशन के फेज में पहुंच चुका है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा, यह कुछ राज्यों के गिने-चुने जिलों तक ही सीमित है। इसमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है।

ममता बनर्जी ने कम्युनिटी ट्रांसमिशन की बात कही थी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले हफ्ते दुर्गा पूजा के दौरान लोगों को सावधानी बरतने की बात कही थी। उन्होंने कहा था, "मैं सभी से त्योहारों के मौसम में संक्रमण से बचाव के लिए जारी प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह करती हूं। राज्य में वायरस के कम्युनिटी ट्रांसमिशन के उदाहरण देखे गए हैं। ऐसे में सभी को और अधिक सतर्क होने की जरूरत है।" इसी बयान को जोड़ते हुए एक शख्स ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से कम्युनिटी ट्रांसमिशन का सवाल पूछा था। नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा कि ज्यादातर राज्यों में महामारी स्थिर हुई है, लेकिन पांच राज्यों (राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल) इसके साथ ही 3-4 केंद्र शासित प्रदेशों में अभी केस बढ़ रहे हैं। पॉल ने यह भी कहा कि भारत अभी भी दुनिया के अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है, लेकिन देश को अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, क्योंकि 90% लोग अभी भी कोरोनावायरस संक्रमण के लिए अतिसंवेदनशील हैं। महाराष्ट्र सरकार ने दशहरा से जिम और फिटनेस सेंटर फिर खोलने की मंजूरी दे दी है। मार्च से ही कोरोना संकट को देखते हुए इसे बंद कर दिया गया था।

कोरोना मरीजों का आंकड़ा 74.94 लाख हुआ

देश में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 74 लाख 94 हजार 746 हो गया है। राहत की बात है कि इनमें 65 लाख 94 हजार 399 लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 1 लाख 14 हजार 87 मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि 7 लाख 85 हजार 71 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है।

इन राज्यों में कम नहीं हो रहे मरीज

राजस्थान: राज्य में 1992 नए मरीज मिले, 2106 लोग ठीक हुए और 12 संक्रमितों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब तक 1 लाख 71 हजार 281 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें 21 हजार 255 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 1 लाख 48 हजार 291 लोग ठीक हो चुके हैं। कोरोना की वजह से 1735 लोगों की जान जा चुकी है।

बिहार: राज्य में संक्रमण की चपेट में आकर जान गंवाने वालों का आंकड़ा 1 हजार के करीब पहुंच गया है। अब तक 990 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 9 संक्रमितों ने पिछले 24 घंटे के अंदर दम तोड़ दिया। शनिवार को 1173 नए मरीज मिले, 1259 लोग रिकवर हुए। अब तक 2 लाख 3 हजार 60 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें 10 हजार 554 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है, जबकि 1 लाख 91 हजार 515 लोग ठीक हो चुके हैं।

महाराष्ट्र: राज्य में शनिवार को 79.4 हजार लोगों की जांच हुई। इनमें 10 हजार 259 लोग संक्रमित पाए गए। पिछले 24 घंटे में 14 हजार 238 लोग रिकवर हुए और 250 मरीजों की मौत हो गई। राज्य में अब तक 15 लाख 86 हजार 321 लोग पॉजिटिव हो चुके हैं। इनमें 1 लाख 85 हजार 486 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है, जबकि 13 लाख 58 हजार 606 लोग ठीक हो चुके हैं। संक्रमण के चलते अब तक 41 हजार 752 मरीजों की मौत हुई है।

उत्तरप्रदेश: राज्य में 2725 नए मरीज मिले, 3528 लोग रिकवर हुए और 40 संक्रमितों की मौत हो गई। अब तक 4 लाख 52 हजार 660 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। इनमें 34 हजार 420 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 4 लाख 11 हजार 611 लोग ठीक हो चुके हैं। कोरोना की वजह से अब तक 6629 मरीजों की मौत हो चुकी है।

नीतीश ने लालू-राबड़ी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर हमला बोला है। रविवार को डुमरांव में आयोजित जनसभा में सीएम नीतीश ने लालू राज की याद ताजा कराते हुए कहा कि अगर बिहार में फिर अपहरण, सामूहिक नरसंहार चाहते होंगे तभी हमें वोट नहीं देंगे। अगर फिर से बिहार से भागना चाहते होंगे, तभी वोट नहीं दीजिएगा। सीएम नीतीश ने कहा कि अगर बिहार में अमन-चैन चाहते हैं तो एनडीए उम्मीदवार को वोट दीजिए। अगर फिर से वो लोग सत्ता में आयेंगे तो अपहरण का उद्योग लगेगा। नीतीश ने कहा कि हमलोगों को जब से सेवा करने का मौका किया तब से लगातार काम कर रहे हैं। हर समाज के लोगों के लिए हमने काम किया है। लोगों को आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है।

अफसरों के सामने ही हत्या : भाजपा विधायक का करीबी आरोपी धीरेंद्र घटना के तीसरे दिन लखनऊ से गिरफ्तार

- 15 अक्टूबर को दुर्जनपुर गांव में अफसरों के सामने हत्या कर भाग निकला था हत्यारा

बलिया ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बलिया में हत्या के मामले में मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह को एसटीएफ ने लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके साथ दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए। कोर्ट में सरेंडर करने की सूचना के बाद सर्विलांस के जरिए धीरेंद्र के लखनऊ में होने की सूचना मिली थी। धीरेंद्र, बलिया विधायक सुरेंद्र सिंह का करीबी है। धीरेंद्र उर्फ डब्लू की तलाश में 12 टीमें लगी थीं। मऊ और आजमगढ़ की पुलिस को भी उसकी गिरफ्तारी में लगाया गया था। इस बीच चर्चा थी कि धीरेंद्र सोमवार को कोर्ट में सरेंडर कर सकता है। उसने शनिवार को कोर्ट में सरेंडर की अर्जी भी लगाई थी। पुलिस ने उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। अब तक धीरेंद्र के दो भाई देवेंद्र और नरेंद्र के साथ 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

बलिया में कैंप कर रहे डीआईजी

योगी सरकार ने डीआईजी आजमगढ़ सुभाष चंद्र दुबे को बलिया में ही कैंप करने का निर्देश दिए थे। कहा गया है था कि जब तक मुख्य आरोपी धीरेंद्र सिंह की गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक वे वहीं रहेंगे। आजमगढ़ मंडल के कमिश्नर विश्वास पंत भी बलिया में मौजूद हैं।

करणी सेना कर सकती है प्रदर्शन

बलिया में गोलीकांड का मामला अब जातिगत होता जा रहा है। भाजपा विधायक सुरेंद्र सिंह ने जहां इसे क्षत्रिय बनाम यादव का मुद्दा बना दिया है। धीरेंद्र और उसके परिवार के समर्थन में पूर्व सैनिकों का संगठन भी आ गया है। करणी सेना भी आज प्रदर्शन कर सकती है।

यह है पूरा मामला

दुर्जनपुर में 15 अक्टूबर को पंचायत भवन पर कोटे की दुकान को लेकर बैठक चल रही थी। एसडीएम बैरिया सुरेश पाल, सीओ चंद्रकेश सिंह, बीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह और रेवती थाने का पुलिसबल भी मौजूद थी। आरोप है कि इसी दौरान विवाद होने पर धीरेंद्र सिंह ने जयप्रकाश पाल की हत्या कर दी। इसके बाद वह भाग निकला। मामले में एसडीएम और सीओ को निलंबित भी कर दिया गया था। सभी आरोपियों पर गैंगस्टर और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की भी बात कही है।

जंगल राज की बात करने वाले नीतीश के कार्यकाल में अपराध चरम पर: तेजस्वी यादव

नई दिल्ली। नीतीश कुमार की सरकार हर मोर्चे पर फेल हो गई है। जनता ने उन्हें 15 साल का मौका दिया लेकिन 15 साल में सूबे में एक भी फैक्ट्री नहीं लग पाई। यह बात नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कही। तेजस्वी बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान रविवार की दोपहर स्टेडियम के मैदान में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सरकार की सच्चाई सामने आ गई। लोग भूख से चलते चलते थक कर मर गए। यादव राजद प्रत्याशी विजय प्रकाश के पक्ष में सभा को संबोधित कर रहे थे। सभा में जुटी भीड़ को देखकर तेजस्वी यादव गदगद थे। उन्होंने कहा कि अगर मेरी सरकार बनी तो 10 लाख युवाओं को हम रोजगार देंगे। उन्होंने कहा कि सभी विभाग में पद रिक्त पड़े हैं लेकिन सरकार बहाली नहीं कर रही है। अगर मौका मिला तो हम रोजगार की व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है। हर लोग भ्रष्टाचार से प्रभावित हो गया है। सूबे में अफसरशाही से आम जनता त्रस्त है।

खुलासा 10 अक्टूबर की रात रामजानकी मंदिर के पुजारी सम्राट दास को गोली मारी गई थी, लखनऊ में चल रहा इलाज

दुश्मन को फंसाने पुजारी ने शूटर से खुद पर चलवाई थी गोली, साजिश में मंदिर का महंत भी था शामिल

गोंडा ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गोंडा में 7 दिन पहले श्रीराम जानकी मंदिर के पुजारी पर हुए जानलेवा हमले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, घटना की साजिश में खुद पुजारी शामिल था। इसके लिए मुन्ना सिंह नाम के प्रोफेशनल शूटर को बुलाया गया था। मामले में 9 आरोपी सामने आए हैं। इनमें 7 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुजारी का इलाज लखनऊ की किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में चल रहा है। उसे भी ठीक होने के बाद गिरफ्तार किया जाएगा। इसके अलावा, साजिश करने वाले प्रधान का बेटा सूरज सिंह फरार है।

सोते वक्त गोली मारी गई थी

इटियाथोक इलाके के तिर्रेमनोरामा स्थित मंदिर में 10 अक्टूबर की रात सोते वक्त पुजारी सम्राट दास को गोली मारने की घटना सामने आई थी। इसमें वे घायल हो गए थे। इस संबंध में मंदिर के महंत ने तिर्रेमनोरामा के रहने वाले मुकेश सिंह, भयहरण सिंह, अमर सिंह, दरोगा सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया था। मंदिर के ही महंत सीताराम दास ने तहरीर में अमर सिंह को मुख्य आरोपी बनाया था। कहा था कि अमर सिंह मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा करना चाहता है।

120 बीघा जमीन का विवाद, चुनाव की रंजिश भी

गोंडा के एसपी शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि तिर्रेमनोरामा में 120 बीघा श्रीराम जानकी मंदिर की जमीन है। इसे लेकर महंत सीताराम दास और अमर सिंह के बीच विवाद चल रहा है। इसके अलावा मौजूदा प्रधान विनय सिंह और अमर सिंह के बीच चुनावी रंजिश भी चल रही है। महंत सीताराम दास और विनय सिंह ने मिलकर प्लान बनाया कि यदि अमर सिंह को किसी मामले में फंसाकर जेल भिजवा दिया जाए तो दोनों का मकसद पूरा हो जाएगा। इसके बाद महंत सीताराम दास, विनय सिंह और पुजारी सम्राट दास उर्फ अतुल त्रिपाठी समेत 9 लोगों ने एक महीने पहले से साजिश करना शुरू कर दिया। सहमति से यह तय हुआ कि पुजारी सम्राट दास को इस तरह से गोली मारी जाए कि उनकी जान भी न जाए और गोली लग जाए। 10 अक्टूबर की रात शूटर मुन्ना सिंह अपने साथी सोनू सिंह और नीरज सिंह के साथ रात करीब डेढ़ बजे मंदिर के पीछे पहुंचे। यहां महंत सीताराम दास और पुजारी सम्राट दास मिले। दोनों की सहमति से मुन्ना सिंह ने सम्राट दास को गोली मार दी। इसके बाद महंत सीताराम दास जाकर कमरे में सोने का नाटक करने लगा। सुबह रंजिश में गोली मारे जाने की घटना बताई और पुलिस से शिकायत की।

कोल्ड चेन की कमी से दुनिया में तीन अरब लोगों तक कोरोना टीका पहुंचने में हो सकती है देर

गम्पेला (बुर्किना फासो)। गम्पेला बुर्किना फासो का एक छोटा स्थान है जहां के चिकित्सा केंद्र में पिछले करीब एक साल से रेफ्रिजेटर काम नहीं कर रहा है। दुनिया भर में ऐसे कई स्थान हैं जहां यह सुविधा अभी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में कोरोना वायरस पर काबू के अभियान में बाधा आ सकती है। पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाले कोरोना वायरस के टीके को सुरक्षित रखने के लिए फैक्ट्री से लेकर सिरिंज (सुई) तक लगातार कोल्ड चेन की जरूरत होगी। लेकिन विकासशील देशों में कोल्ड चेन बनाने की दिशा में हुई प्रगति के बाद भी दुनिया के 7.8 अरब लोगों में से लगभग तीन अरब लोग ऐसे हैं जिन तक कोविड-19 पर काबू पाने के लिए टीकाकरण अभियान की खातिर तापमान-नियंत्रित भंडारण नहीं है। इसका नतीजा यह होगा कि दुनिया भर के निर्धन लोग जो इस घातक वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, उन तक यह टीका सबसे अंत में पहुंच सकेगा। टीके के लिए %कोल्ड चेन गरीबों के खिलाफ एक और असमानता है जो अधिक भीड़ वाली स्थितियों में रहते हैं और काम करते हैं। इससे वायरस को फैलने का मौका मिलता है। ऐसे लोगों तक मेडिकल ऑक्सीजन की भी पहुंच कम होती है जो इस वायरस से संक्रमण के उपचार के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा ऐसे लोग बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं, आपूर्ति या तकनीशियनों की कमी का भी सामना करते हैं। कोरोना वायरस टीकों के लिए कोल्ड चेन बनाए रखना धनी देशों के लिए भी आसान नहीं होगा खासकर तब जबकि इसके लिए शून्य से 70 डिग्री सेल्सियस नीचे (माइनस 94 डिग्री एफ) के आसपास के तापमान की आवश्यकता होती है। बुनियादी ढांचे और शीतलन प्रौद्योगिकी के लिए पर्याप्त निवेश नहीं हुआ है जिसकी टीकों के लिए जरूरत होगी। इस महामारी को आठ महीने हो चुके हैं और विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि दुनिया के बड़े हिस्सों में प्रभावी टीकाकरण कार्यक्रम के लिए पर्याप्त प्रशीतन की कमी है। इसमें मध्य एशिया का अधिकतर हिस्सा, भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिका का भी एक बड़ा हिस्सा इसमें शामिल है। बुर्किना फासो की राजधानी के पास स्थित इस क्लीनिक का रेफ्रिजेरेटर पिछले साल खराब हो गया था। यह मेडिकल केंद्र करीब 11 हजार लोगों को सेवा मुहैया कराता है। उपकरणों के खराब हो जाने के कारण इस केंद्र में टेटनस, टीबी सहित अन्य आम बीमारियों के भी टीके नहीं रखे जाते।

सुपर ओवर में जीती कोलकाताः फर्ग्यूसन ने 3 बॉल में 2 विकेट लिए

दुबई ■ एजेंसी

आईपीएल के 13वें सीजन के 35वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (डङफ) ने सनराइजर्स हैदराबाद (रफ्ल्ह) को सुपर ओवर में हराया। केकेआर के लिए लोकी फर्ग्यूसन ने सुपर ओवर किया। फर्ग्यूसन ने 3 बॉल में ही डेविड वॉर्नर (0) और अब्दुल समद (2) को आउट कर हैदराबाद को 2 रन समेट दिया। जवाब में हैदराबाद के लिए सुपर ओवर राशिद खान ने डाला। केकेआर के इयोन मॉर्गन और दिनेश कार्तिक ने 4 बॉल पर 3 रन बनाकर मैच जीत लिया। आईपीएल में यह पहला मौका है, जब एक सीजन में तीन सुपर ओवर खेले गए हैं। अब तक लगी में 12 सुपर ओवर खेले गए। 2013 और 2019 में 2-2 बार मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ था। 12 में से 7 बार बाद में बैटिंग करने वाली टीम मैच जीती है। वहीं, पहले बैटिंग करने वाली टीम 5 बार ही मैच जीत सकी है। अबु धाबी में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 5 विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद भी 6 विकेट पर 163 रन ही बना पाई। वॉर्नर, अब्दुल समद और राशिद खान ने आखिरी 5 ओवरों में 54 रन बनाकर मैच पलट दिया। आखिरी ओवर में हैदराबाद को जीत के लिए 18 रन की जरूरत थी। चोटिल आंद्रे रसेल ने केकेआर के लिए आखिरी ओवर डाला। वॉर्नर और राशिद खान ने ओवर में 17 रन बनाकर मैच टाई कराया। सीजन में अपनी 5वीं जीत के साथ केकेआर पॉइंट टेबल में चौथे स्थान पर बरकरार है। वहीं, सनराइजर्स की यह लगातार तीसरी हार है। हैदराबाद के कप्तान वॉर्नर ने आईपीएल में अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं।

इससे पहले दिल्ली और बेंगलुरु ने जीता था सुपर ओवर

इस सीजन में यह तीसरा सुपर ओवर है। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेला गया सीजन का दूसरा मैच सुपर ओवर में गया था, जिसे दिल्ली ने जीत लिया था। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए सुपर ओवर में आरसीबी ने जीत दर्ज की थी।

वॉर्नर ने कोहली, रोहित और रैना को पीछे छोड़ा

वॉर्नर ने सबसे कम 135 पारियों में 5000 रन पूरे किए हैं। ऐसा करने वाले वे पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने कोहली (157 पारी), सुरेश रैना (173 पारी) और रोहित शर्मा (187 पारी) को पीछे छोड़ दिया है। हैदराबाद के लिए डेविड वॉर्नर की जगह केन विलियम्सन ने जॉनी बेयरस्टो के साथ पारी की शुरूआत की।

आईपीएल 2020: दोनों टीमें सीजन में सिर्फ 3-3 मैच जीतकर संघर्ष कर रही हैं

प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए राजस्थान-चेन्नई के बीच होगी जंग

- दोनों टीमों ने इस सीजन में अब तक 9-9 मैच खेले हैं
- आईपीएल के इतिहास में चैन्नई के लिए सीजन अब तक सबसे बुरा रहा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के 37वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का आमना-सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के दोनों ही टीमों के लिए इस मैच में जीत बेहद जरूरी होगी। चेन्नई ने अबतक खेले 9 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि 3 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान की हालत भी सीएसके के जैसी ही है और टीम 9 मैचों में इस सीजन 6 मुकाबलों गंवा चुकी है। ऐसे में इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए अपना सबकुछ झोंक देना चाहेंगी। आईपीएल के इतिहास में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह सीजन अबतक सबसे बुरा रहा है। टीम के बल्लेबाज जहां रन बनाने में नाकाम रहे हैं, वहीं टीम की सबसे बड़ी ताकत स्पिन गेंदबाज अभी तक अपने रोल को बखूबी अदा नहीं कर सके है। राजस्थान के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम की मुसीबत में एक और इजाफा हो गया है, दिल्ली के खिलाफ खेले गए मैच में चोटिल हुए ड्वेन ब्रावो अगले कुछ दिनों या हफ्तों के लिए उपलब्ध नहीं होने वाले हैं। ऐसे में ब्रावो की जगह टीम जोश हेजलवुड को आजमा सकती है। गेंदबाजी में टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता जयदेव उनादकट रहे हैं, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ उनादकट के एक ओवर ने मैच की पूरी तस्वीर को बदल कर रख दिया था। चेन्नई के खिलाफ उनादकट की जगह टीम वरुण एरोन को मौका दे सकती है। युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी गेंद से राजस्थान के लिए काफी प्रभावशाली रहे हैं। दोनों ही टीमें आईपीएल में अबतक कुल 23 बार एक दूसरे से भिड़ चुकी हैं, जिसमें से 14 बार जीत चेन्नई सुपर किंग्स के हाथ लगी है, जबकि 9 बार राजस्थान ने मैच को अपने नाम किया है। आईपीएल 2020 में हुए मैच में राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई को 16 रनों से हराया था।

2019 में यह दोनों टीमें दो बार एक दूसरे के खिलाफ खेली थीं और दोनों ही बार जीत चेन्नई सुपर किंग्स के हाथ लगी थी। साल 2018 में खेले दो मैचों में चेन्नई और राजस्थान ने एक-एक मैच में जीत दर्ज की थी।

टॉप ऑर्डर राजस्थान की समस्या

राजस्थान रॉयल्स की टीम के लिए इस सीजन सबसे बड़ी समस्या टीम का टॉप ऑर्डर रहा है। शुरूआती दो मैचों में बल्ले से जबर्दस्त प्रदर्शन करने वाले संजू सैमसन और कप्तान स्टीव स्मिथ का बल्ला बाकी मैचों में एकदम खामोश नजर आया है। पिछले मैच में रॉबिन उथप्पा से ओपनिंग करवाने के फैसला एकदम सही बैठा था, ऐसे में इस मैच में भी टीम उसी प्लान के साथ जाना पसंद करेगी।

दोनों ही टीमों की संभावित

राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई सुपर किंग्स
बेन स्टोक्स, रॉबिन उथप्पा, संजू सैमसन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), जोस बटलर, राहुल तेवतिया, रियान पराग, जोफ्रा आर्चर, कार्तिक त्यागी, श्रेयस गोपाल, जयदेव उनादकट/वरुण एरोन	सैम कुर्रन, फैफ डुप्लेसी, शेन वॉट्सन, अंबाती रायुडू, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, केदार जाधव, जोश हेजलवुड, करन शर्मा, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर

जडेजा को अंतिम ओवर देना धोनी का अब तक का सबसे खराब फैसलाः ब्लेक

शारजाह। जमैका के विश्व रिकार्डधारी फर्राटा धावक योहान ब्लेक ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच का अंतिम ओवर रविंद्र जडेजा को दिये जाने को कप्तान महेन्द्र सिंह सिंह धोनी का अब तक का सबसे खराब फैसला बताया है। ब्लेक के अनुसार सभी का मानना है कि यह ओवर ड्वेन ब्रावो को दिया जाना था हालांकि ब्लेक यह नहीं जानते थे कि ब्रावो चोटिल हैं। इसी कारण वह अंतिम ओवर फेंकने के लिए मैदान में नहीं आ पाये। ब्लेक ने ट्विटर पर पोस्ट वीडियो में पूछा, मुझे लगता है कि लंबे समय में यह धोनी का सबसे बदतर फैसला है। धोनी का अंतिम ओवर जडेजा से कराना खराब फैसला था। ब्लेक ने ट्वीट किया, खराब, बेहद खराब पसंद धोनी। आप बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ जडेजा से गेंदबाजी नहीं करा सकते। ब्लेक को हालांकि बाद में अहसास हुआ कि ब्रावो चोटिल थे। वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर को ग्रोइन में चोट लगी और वह कुछ दिन या कुछ हफ्तों के लिए टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं पर इसके बाद भी ब्लेक अंतिम ओवर जडेजा से कराने के पक्ष में नहीं थे। दिल्ली की टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 17 रन बनाने थे जो उसने एक गेंद शेष रहते बना लिए। ब्लेक ने कहा, मुझे पता चला कि ब्रावो चोटिल था लेकिन मैं फिर भी जडेजा को गेंद नहीं दूंगा जबकि मैदान पर शेन वॉटसन जैसा गेंदबाज मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी खिलाड़ी वॉटसन हालांकि पिछले कुछ वर्षों से बल्लेबाज के रूप में ही खेल रहे हैं। ब्लेक ने एक अन्य ट्वीट में कहा, जब हम खेल को इतना अधिक प्यार करते हैं तो ऐसा ही होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

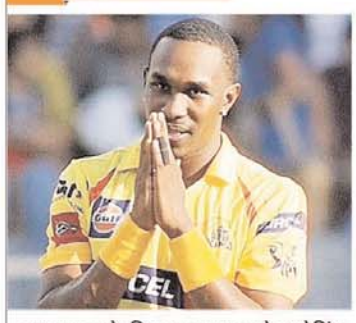

कुछ सप्ताह के लिए बाहर हुए ब्रावोः फ्लेमिंग

शारजाह। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि ड्वेन ब्रावो चोटिल होने के कारण अगले कुछ सप्ताह के लिए आईपीएल से बाहर हो गये हैं। ब्रावो इसी चोट के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अंतिम ओवर में गेंदबाजी के लिए नहीं उतरे थे। इसके बाद यह ओवर रविन्द्र जडेजा ने किया जिसमें उन्होंने 18 रन दे दिये जिससे टीम को हार का सामना करना पड़ा। फ्लेमिंग ने कहा, ऐसा लगता है कि ब्रावो की दायीं ग्रोइन में चोट है, इसी कारण वह दोबारा गेंदबाजी के लिए भी मैदान में नही आ पाया, वह अंतिम ओवर नहीं फेंकने के कारण निराशा का भी अनुभव कर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ब्रावो की चोट का आंकलन बाद में किया जाएगा पर वह अगले कुछ सप्ताह के लिए मैदान से बाहर ही रहेंगे। कोच ने कहा, दुर्भाग्य से ब्रावो चोटिल हो गया इसलिए अंतिम ओवर नहीं फेंक पाया, वह स्वाभाविक रूप से डेथ ओवरों का गेंदबाज है, हमारा सत्र इसी तरह चल रहा है, हमें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने माना कि दिल्ली के शिखर धवन ने शानदार पारी खेली पर उनकी टीम इस अनुभवी बल्लेबाज के कैच नहीं ले पायी जिससे वह शतक बनाने में कामयाब रहे। वही कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी कहा कि ब्रावो के फिट नहीं होने के कारण ही वह अंतिम ओवर नहीं फेंक पाये

नाराज वार्नर बोले, धोनी के गुस्से को देखकर बदला था अंपायर ने फैसला

दुबई। सनराईजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने सीएसके के साथ हुए पिछले मैच में अंपायर वाईड विवाद को लेकर एक नया बयान दिया है। वार्नर ने कहा है कि उस दिन अंपायर ने अपना फैसला सीएसके कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के गुस्से को देखकर बदला था जो किसी मैच में नही होना चाहिए। वह स्पष्ट रूप से एक वाईड गेंद थी और अंपायर ने इस पर सही फैसला नही लिया। वार्नर ने कहा कि मुझे पता है कि उस दिन धोनी वाईड दिए जाने से निराश थे पर वास्तव में वह गेंद वाईड थी जिसे अंपायर भी वाइड देने जा रहे थे पर वह धोनी की आक्रामक मुद्रा देख दबाव में आ गये और फैसला बदल लिया। मैं यह इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि वहां धोनी थे, बल्कि इसलिए की उनकी नजर अंपायर पर थी। वह पीछे बतौर विकेटकीपर थे और वे देख सकते थे। उन्होंने अपनी झल्लाहट दिखाई। साथ ही कहा कि कप्तान के तौर पर एक समय पर हम सभी यही करते और अपनी निराशा जरूर दिखाते हैं। मैं बस यही कहना चाहता हूं कि अंपायर को अपने निर्णय स्वयं लेने चाहिए और सभी को उसका सम्मान करना चाहिए। इसलिए अंपायर के फैसले पर किसी प्रकार की बहस नहीं होनी चाहिये।

रोहन जेटली बने डीडीसीए के नये अध्यक्ष

नई दिल्ली। पूर्व वित्त मंत्री दिवंगत अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के नये अध्यक्ष बने है। रोहन इस पद के लिए निर्विरोध चुने गए। वह 30 जून 2021 तक इस पद पर बने रहेंगे। बाकी पांच पदाधिकारियों के लिए चुनाव अगले माह 5,6 और 8 नवंबर को होंगे और 9 नवंबर को इसके परिणाम घोषित किए जाएंगे। रोहन के विरोधी उम्मीदवार ने अपना अपना नामांकन वापस ले लिया क्योंकि उन्हें सभी गुटो से समर्थन मिला था। डीडीसीए का अध्यक्ष पद पिछले साल नवंबर से खाली था। इससे पहले रजत शर्मा ने अंदरूनी गुटबाजी के चलते अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। नामांकन के बाद रोहन ने कहा था, मैं दिल्ली क्रिकेट की बेहतरी के लिए काम करना चाहूंगा और हर किसी से यही करना पसंद करूंगा। पेशे से वकील रोहन ने कहा, मुझे मुकाबले से कोई परेशानी नही है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अच्छा है। डीडीसीए के 5 से 8 नवंबर तक होने वाले चुनावों में कोषाध्यक्ष पद के लिए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सीके खन्ना की पत्नी शशि खन्ना और पवन गुलाटी के बीच मुकाबला होगा।

कंपनियों के तिमाही परिणामों, कोरोना से जुड़े घटनाक्रमों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही परिणामों, कोरोना वायरस से जुड़े घटनाक्रमों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह मौजूदा उच्चस्तर पर मुनाफावसूली का सिलसिला भी देखने को मिल सकता है। यूरोप में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों से पिछले सप्ताह बाजार की धारणा प्रभावित हुई। आगे चलकर भी संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है। किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में वैश्विक संकेतक तथा कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों से बाजार की दिशा तय होगी। यदि कोविड-19 की वजह से किसी तरह के नए अंकुश की खबरें आती हैं, तो इससे बाजार प्रभावित होगा। इस सप्ताह एशियन पेंट्स, एसीसी, बजाज ऑटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज और आईडीबीआई बैंक के तिमाही नतीजे आएंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि आगे चलकर बाजार कुछ नीचे आएगा। निवेशकों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों, वैश्विक स्तर पर कोविड-19 संक्रमण के आंकड़ों, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़े घटनाक्रमों और चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर रहेगी।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 58 प्रतिशत कम हुआ

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश का यात्री वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर के दौरान 57.52 प्रतिशत कम हो गया। कोविड-19 महामारी की वजह से पैदा हुई अड़चनों से विभिन्न वैश्विक बाजारों को यात्री वाहनों की आपूर्ति पर प्रभाव पड़ा है, जिससे निर्यात में गिरावट आई है। जानकारी के अनुसार 2020-21 की पहली छमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 1,55,156 इकाई रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में 3,65,247 यात्री वाहनों का निर्यात किया गया था। समीक्षाधीन अवधि में कारों का निर्यात 64.93 प्रतिशत घटकर 1,00,529 इकाई रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,86,618 इकाई रहा था। इसी तरह यूटिलिटी वाहनों का निर्यात 29.67 प्रतिशत घटकर 54,375 इकाई रह गया, जो 2019-20 की समान अवधि में 77,309 इकाई रहा था। वैन के निर्यात में 80.91 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट आई और यह 1,320 इकाई से घटकर 252 इकाई रह गया। बताया गया है कि निर्यात में गिरावट की प्रमुख वजह वैश्विक स्तर पर कोविड-19 के चलते पैदा हुई अड़चनें हैं। इस महामारी की वजह से संयंत्र और डीलरशिप बंद रहीं, आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई।

डिजिटल करेंसी से खतरे की आशंका

फेसबुक की डिजिटल करेंसी लिब्रा को जी-7 देशों ने रोक की मांग की

- पिछले हफ्ते जी-7 देशों के सदस्यों ने वर्तमान फॉर्म में लिब्रा को लांच करने पर रोक लगाने की मांग की थी
- डिजिटल करेंसी को खतरा माना जाता है। भारत में आरबीआई ने इस पर रोक लगाई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे मंजूरी दे दी है

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अमेरिका की सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की डिजिटल करेंसी लिब्रा के लिए मुश्किल बढ़ती जा रही है। खबर है कि ग्रुप सात (जी-7) के देशों ने इस करेंसी पर प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई है। जल्दी ही इस बारे में फैसला लिया जा सकता है। फेसबुक के पूरी दुनिया में जून तिमाही तक 270 करोड़ यूजर्स थे। बता दें कि जी-7 में दुनिया की सात बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश हैं। यह सभी विकसित देश हैं। इसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। इसे ग्रुप ऑफ सेवन भी कहते हैं। बता दें कि पिछले साल फेसबुक ने डिजिटल करेंसी लिब्रा को लाने की योजना बनाई थी। यह उसकी बहुत बड़ी महत्वाकांक्षी योजना है। यह वैश्विक स्तर की डिजिटल करेंसी होगी।

केंद्रीय बैंक, वित्त मंत्री रेगुलेशन को लेकर सवाल उठा रहे हैं

जानकारी के मुताबिक जी-7 के केंद्रीय बैंकर्स और वित्त मंत्री इसके रेगुलेशन को लेकर सवाल उठा रहे हैं। जी-7 के फाइनेंशियल रेगुलेटर्स भी इसको लेकर सवाल कर रहे हैं। ऐसे में फेसबुक की इस करेंसी को फिलहाल लांच करना मुश्किल दिख रहा है। ग्रुप 7 के देशों का कहना है कि इस करेंसी को मौजूदा फॉर्म में जारी नहीं करना चाहिए। इन देशों की ओर से जारी डॉक्यूमेंट में ग्लोबल स्टेबल क्वाइन प्रोजेक्ट नाम से इस पर कमेंट किया गया है। स्टेबल क्वाइन का मतलब क्रिप्टोकरेंसी से है। किसी-किसी देश में यह बिट क्वाइन के भी नाम से जाना जाता है।

एचएसबीसी के 3 अधिकारियों को फेसबुक ने रखा

फेसबुक ने अपनी इस करेंसी के लिए दुनिया के दिग्गज बैंक हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एचएसबीसी) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को रखा है। इसमें एचएसबीसी के यूरोपियन प्रमुख जेम्स, इसके पूर्व मुख्य कानूनी अधिकारी स्टूअर्ट ने सितंबर में कंपनी ज्वाइन की थी। स्टूअर्ट इससे पहले राष्ट्रपति जॉर्ज बुश और बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग में रह चुके हैं। पिछले हफ्ते ही एचएसबीसी के इयान को लिब्रा में मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) बनाया गया है। इस तरह से फेसबुक लिब्रा को चलाने के लिए अनुभवी और टॉप बैंकर्स की टीम बना रहा है। जी-7 देशों का कहना है कि स्टेबल क्वाइन प्रोजेक्ट को तब तक परमिशन नहीं देनी चाहिए जब तक कि यह लीगल न हो। रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में न हो और साथ ही इसकी डिजाइन और अप्लीकेबल स्टैंडर्ड भी सही नहीं हो। जी-7 के ड्रॉफ्ट में कहा गया है कि बिना सही रेगुलेशन के लिब्रा जैसे प्रोजेक्ट फाइनेंशियल स्टेबिलिटी, ग्राहकों की सुरक्षा, प्राइवेसी, टैक्सेशन और साइबर सिक्योरिटी के लिए खतरा बन सकते हैं।

वित्त मंत्री का बड़े लोक उपक्रमों से दिसंबर तक तीन चौथाई पूंजीगत खर्च पूरा करने पर बल

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़े केंद्रीय लोक उपक्रमों से उनके 2020-21 के योजनाबद्ध पूंजीगत व्यय का 75 प्रतिशत दिसंबर तक पूरा करने का सोमवार को आह्वान किया। इसका मकसद कोविड-19 संकट से प्रभावित अर्थव्यवस्था को संबल प्रदान करना है। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिवों और इनसे जुड़े 14 केंद्रीय लोक उपक्रमों के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशकों के साथ एक ऑनलाइन बैठक में उन्होंने उनसे पूंजीगत योजनाओं पर काम तेज करने की अपील की। आधिकारिक बयान के मुताबिक अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए यह वित्त मंत्री की इस तरह की चौथी बैठक है। वह अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के संकट के उबारने में मदद के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें कर रही हैं। लोक उपक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए सीतारमण ने कहा कि उनके द्वारा किया जाने वाला पूंजीगत व्यय आर्थिक वृद्धि के इंजन का एक अमूल्य घटक होता है। ऐसे में उन्हें 2020-21 और 2021-22 के लिए इसे तेज करने की जरूरत है।

वित्त मंत्री ने संबंधित मंत्रालयों के सचिवों से केंद्रीय लोक उपक्रमों के प्रदर्शन पर करीबी नजर रखने और दिसंबर तक उनके 2020-21 के लक्षित पूंजीगत व्यय का 75 प्रतिशत खर्च सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लोक उपक्रमों के चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों के साथ संबंधित मंत्रालयों के सचिवों को ज्यादा समन्वय के प्रयास करने होंगे। उल्लेखनीय है कि 2019-20 में 14 केंद्रीय लोक उपक्रमों ने कुल 1,11,672 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा था लेकिन उनका व्यय अंततः 104 प्रतिशत यानी 1,16,323 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष के लिए इन कंपनियों ने 1,15,934 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा है। इसमें सितंबर तक पहली छमाही में 37,423 करोड़ रुपये यानी 32 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। जबकि 2019-20 की पहली छमाही में यह 39 प्रतिशत यानी 43,097 करोड़ रुपये था।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ हासिल करने वालों की लिस्ट में आपका नाम है या नहीं?

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अब तक क्रेंद्र की मोदी सरकार ने देश के 11 करोड़ किसानों के बैंक अकाउंट में 93000 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर चुकी है। अब तक करोड़ों किसानों को सालाना मिलने वाले 6000 रुपये में से 2000 की छह किस्त जारी की चुकी है। अब सातवीं किस्त अब नवंबर तक आनी है। अगर आपने योजना के तहत अपना नाम रजिस्टर करा चुके हैं तो घर बैठे पीएम किसान सम्मान निधि की ताजा लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं। लिस्ट में नाम चेक करने का तरीका बहुत आसान हैं।

योजना में महत्वपूर्ण बदलावः जोत की सीमा खत्म-24 फरवरी 2019 को जब अनौपचारिक तौर पर योजना की शुरुआत की गई थी तब इसकी पात्रता की शर्तों में लिखा था कि जिसके पास कृषि योग्य खेती 2 हेक्टेयर (5 एकड़) है उसी को लाभ मिलेगा। मोदी सरकार ने इससे जोत की सीमा खत्म कर दी है। इस तरह इसका लाभ 12 करोड़ से बढ़कर 14.5 करोड़ किसानों के लिए तय हो गया है। योजना की दिसंबर 2018 से प्रभावित है। अनुमान है कि इस साल नवंबर तक कुल सहायता रकम बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।

ऐसे चेक करें अपना खाता- नए पेज पर आधार नंबर, बैंक खाता संख्या या मोबाइल नंबर में से किसी एक विकल्प को चुनिए।
- यहां क्लिक करने के बाद आपको सभी ट्रांजेक्शन की जानकारी मिल जाएगी। यानी कौनसी किशत कब आपके खाते में आई और किस बैंक अकाउंट में क्रेडिट हुई।

पेटीएम उतरी सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड बाजार में 18 महीने में 20 लाख ग्राहक जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम ने सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड बाजार में प्रवेश करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने अगले डेढ़ साल में इसके 20 लाख ग्राहक बनाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम की भुगतान प्रणाली में क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने वालों को हर लेनदेन पर वह कैशबैक देगी। सह-ब्रांड क्रेडिट कार्ड सहयोगी बैंक जारी करेगा। ग्राहकों को यह कार्ड उनके पारंपरिक क्रेडिट स्कोर और पेटीएम ऐप पर उनकी खरीद गतिविधियों के आकलन के आधार पर दिया जाएगा। पेटीएम लेंडिंग (कंपनी का ऋण कारोबार) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भावेश गुप्ता ने कहा कि पेटीएम का लक्ष्य देश के आकांक्षी युवाओं और उभरते पेशेवरों को क्रेडिट कार्ड के लाभ देने का है। इन कार्ड को उन्हें एक स्वस्थ वित्तीय जीवन की ओर आगे बढ़ने में मदद करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है। यह क्रेडिट कार्ड के बाजार को भी बदलेगा। कंपनी ने कहा कि इस क्रेडिट कार्ड के आवेदन से लेकर इसे जारी करने तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से पूरी की जाएगी।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, 40400 के पार

नई दिल्ली। बैंक के शेयरों में तेजी से सोमवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 448.62 अंकों की बढ़त के साथ 40,431 और निफ्टी 110 अंक उछलकर 11,873 के स्तर पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 अंक से अधिक की बढ़त के साथ खुला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 322.40 अंक या 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,305.38 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 85.80 अंक या 0.73 प्रतिशत के लाभ के साथ 11,848.25 अंक पर कारोबार कर रहा था।

बीते शुक्रवार बढ़त पर बंद हुआ बाजार-पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 254.57 अंक या 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,982.98 अंक पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी 82.10 अंक या 0.70 प्रतिशत के लाभ से 11,762.45 अंक रहा था।

आशा व एएनएम लोगों को समझायेंगे कोविड से बेखौफ होकर डालें वोट

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में किया मतदाता जागरूकता अभियान का शुभारंभ

ग्वालियर। विधानसभा उप निर्वाचन-2020 में अधिक से अधिक मतदान के लिए स्वीप (सिस्टमेटिक वोटर्स एज्यूकेशन एण्ड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) के तहत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस कड़ी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को जिला चिकित्सालय मुरार में मतदाता जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा भी मौजूद थे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद आशा कार्यकर्ता, एएनएम व स्टाफ नर्स सहित अन्य पैरामेडीकल स्टाफ से कहा कि वे स्वीप कार्यक्रम में सहभागी बनकर लोगों को बताएँ कि मतदान के समय कोविड कोई खतरा नहीं है। आप सबकी सुरक्षा के लिये भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत हर मतदान केन्द्र पर सेनेटाइजर, साबुन, मास्क व हैण्ड ग्लब्स की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही मतदाताओं को लाइन लगाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागियों को निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ दिलाई। साथ ही कहा कि आप सब अन्य मतदाताओं को भी इसके लिये जागरूक करें। कलेक्टर ने इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अमले से यह भी कहा कि कोविड-19 का खतरा अभी टला नहीं है। इसलिये लोगों को मास्क लगाने, दो गज की दूरी बनाए रखने, भीड़भाड़ से बचने और नियमित रूप से हाथ धोने के लिये प्रेरित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला-बाल विकास श्री राजीव सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

मतदाता जागरूकता रथ को दिखाई हरी झण्डी-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिला चिकित्सालय से हरी झण्डी दिखाकर मतदाता जागरूकता रथ को रवाना किया। मतदाता जागरूकता रथ शहर व गाँव-गाँव में जाकर लोगों को मताधिकार का उपयोग करने के लिये जागरूक कर रहे हैं।

अधिक से अधिक मतदान के लक्ष्य को लेकर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ जारी

ग्वालियर। अधिक से अधिक मतदान के लक्ष्य को लेकर जिले में स्वीप (सिस्टमेटिक वोटर्स एज्यूकेशन एण्ड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन) के तहत मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ चलाई जा रही हैं। इस कड़ी में विद्यार्थियों के बीच भाषण, वाद-विवाद, चित्रकला व स्लोगन प्रतियोगितायें भी आयोजित हो रही हैं। ऑनलाइन हो रहीं इन प्रतियोगिताओं का विषय कोरोना के दौरान सुरक्षित मतदान पर केन्द्रित है। स्वीप के तहत आयोजित हो रहीं नैतिक मतदान तथा सुगम्य मतदान विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता में विद्यार्थी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं इसी तरह महिला मतदान विषय पर हो रही चित्रकला प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भागीदारी निभाई है। मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में 20 अक्टूबर को सिस्को वेबेक्स पर ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता रखी गई है। प्रतियोगिता का विषय जात-पात लोभ-लालच से ऊपर उठकर मतदान रखा गया है। यह प्रतियोगिता 20 अक्टूबर को दोपहर एक बजे से विद्यालय तथा महाविद्यालय स्तर पर आयोजित होगी।

जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों से 35 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

ग्वालियर। जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से 35 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमायेंगे। सोमवार 19 अक्टूबर नाम वापसी का आखिरी दिन था। आखिरी दिन कुल 4 प्रत्याशियों द्वारा अपनी अभ्यर्थिता वापस ली गई। मालूम हो जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों से कुल 51 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए थे। गत 17 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की जाँच के दौरान 12 प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त हो गए थे। चार अभ्यर्थियों द्वारा नाम वापसी के बाद शेष रहे सभी 35 प्रत्याशियों को संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा चुनाव चिन्ह आवंटित करने की कार्यवाही की गई। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर एवं ग्वालियर पूर्व से 2 - 2 प्रत्याशियों ने अपनी अभ्यर्थिता वापस ली है। नाम वापसी के बाद जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र - 15-ग्वालियर में 9 उम्मीदवार, ग्वालियर पूर्व में 12 उम्मीदवार एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र - डबरा (अजा.) में 14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

इन्होंने लिए नाम वापस–
विधानसभा क्षेत्र 15-ग्वालियर से श्री धीरज यादव निर्दलीय व श्री राज डण्डौतिया माई के लाल निर्दलीय, विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व से श्री पोहप सिंह निर्दलीय व श्री विनोद कदम निर्दलीय।

विधानसभा क्षेत्रवार चुनाव मैदान में इतने उम्मीदवार–विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-15 ग्वालियर - श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भारतीय जनता पार्टी, श्री सुनील शर्मा इंडियन नेशनल कांग्रेस, श्री हरपाल मांझी बहुजन समाज पार्टी, श्री अनिल कुमार परिवर्तन समाज पार्टी, श्रीमती चीना बेगम पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) व रोशन बेग समाजवादी पार्टी। सर्वश्री जितेन्द्र त्रिपाठी, देवेन्द्र सिंह तोमर व सुनील शर्मा सभी निर्दलीय।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-16 ग्वालियर पूर्व - श्री महेश बघेल बहुजन समाज पार्टी, श्री मुन्नालाल गोयल (मुन्ना भैया) भारतीय जनता पार्टी, डॉ. सतीश सिकरवार इंडियन नेशनल कांग्रेस, श्री सुनील शर्मा सपाक्स पार्टी व श्री हेमन्त राम पुरे पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)। श्रीमती केशकली जाटव, सर्वश्री जावेद खान, नरेश कुमार सिंह, बालमुकुंद नामदेव, महेन्द्र कुमार बघेल, मुकेश व श्रीमती मीनाक्षी जैन सभी निर्दलीय।

आपका आर्शीवाद मेरी ताकत और ऊर्जा है : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर। आप सबके आर्शीवाद से मुझे कॉग्रेस पार्टी ने ग्वालियर पूर्व का उम्मीदवार बनाया है, मैं आप सबकी भावनाओं के अनुरूप काम करते हुये जहां आपका पसीना गिरेगा वहां मैं अपना खून बहाऊगां और आपके विष्वास पर खरा उतरूंगा। आपका आर्शीवाद मेरी ताकत और ऊर्जा है। क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी ऐसा मैं आप सबको विष्वास दिलाता हूँ। यह उद्बोधन आज ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याषी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने क्षेत्र में आयोजित विभिन्न बैठकों में कही। आज सुबह 8 बजे सैकड़ो कार्यकर्ता सिविल हॉस्पीटल मुरार के बाहर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में एकत्रित हुये और वहां से नया संतर, कृशणपुरी गली नं.2, आजाद नगर गली नं.1, आजाद नगर गली नं.2, रामकला नगर, बैजल कोठी तिराहा से बैजल कोठी, दुर्गा कॉलोनी, कल्पना नगर, हक्सर कॉलोनी, सी.पी. कॉलोनी (राकेष भाईसाहब वाली गली), गली नं.1 षीतला

कॉलोनी (नदी किनारे), नागदेवता मंदिर होते हुए, लेदर फैक्ट्री, डॉ. सलीम, बसंत नगर, राधापुरम, सूरी नगर, धीरेन्द्र श्रीवास वाली पट्टी लोचन नगर, लाल साहब की बगीची, दुर्गा एन्कलेव, आदित्य नगर गली नं.3, हरिओम कॉलोनी, मेन रोड 7 नं. चौराहा, बंगले के बगल से रिवन्यू कॉलोनी, गणेष कॉलोनी, सेंटपॉल काली माता मंदिर पर जनसम्पर्क का समापन हुआ। जनसम्पर्क के बाद क्षेत्र में जगह-जगह बैठकें आयोजित की गई। जनसम्पर्क एवं बैठकों में डॉ. सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया एवं कॉग्रेस पार्टी जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, कमलनाथ जिंदाबाद, सतीष सिंह सिकरवार जिंदाबाद के नारे लगाये गये।

अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों को बताईं चुनावी खर्चे का हिसाब-किताब रखने की बारीकियाँ

ग्वालियर। विधानसभा उप चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों को चुनावी खर्चे का हिसाब-किताब रखने (निर्वाचन व्यय लेखा संधारण) की प्रक्रिया विस्तारपूर्वक समझाई गई। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में निर्वाचन व्यय प्रेक्षक श्री संजय कुमार एवं श्री सुबिर सांपुई की मौजूदगी में अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों को यह प्रशिक्षण दिया गया।

एक्जिट पोल पर प्रतिबंध

ग्वालियर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 3 नवम्बर 2020 के प्रातः 6 बजे से 7 नवम्बर 2020 को सायंकाल 6.30 बजे तक एक्जिट पोल पर रोक लगा दी गई है। आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-26 (क) के प्रावधानों के अनुसार इस अवधि के दौरान कोई एक्जिट पोल आयोजित करना और उसका परिणाम प्रकाशित करना एवं प्रचारित करना प्रतिबंधित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखण्ड, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड, उड़ीसा, तेलंगाना एवं उत्तरप्रदेश में हो रहे चुनाव एवं उप चुनाव को ध्यान में रखकर इस आशय का आदेश जारी किया है। ज्ञात हो मध्यप्रदेश में 3 नवम्बर को विधानसभा उप निर्वाचन कार्यक्रम के तहत मतदान होगा। इसी तरह अन्य राज्यों में 7 नवम्बर तक मतदान की तिथि निर्धारित हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-123 (1) (ख) के अधीन मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटे के दौरान किसी प्रकार के इलेक्ट्रोनिक मीडिया में किसी भी ओपीनियन पोल या अन्य किसी मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

विधानसभा उप निर्वाचन-2020

प्रशिक्षण में गैर हाजिर रहना पड़ा भारी

ग्वालियर। मतदान दलों के प्रशिक्षण में गैर हाजिर रहना 115 अधिकारी-कर्मचारियों को भारी पड़ा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने इन सभी के खिलाफ लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत निलंबन एवं सख्त वैधानिक कार्रवाई करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। सभी से तीन दिन में कारण बताओ नोटिस के जवाब मांगे गए है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं उनके नाम इस प्रकार हैं - सर्वश्री नीरज गौड अध्यापक, महाराज सिंह मौर्य अध्यापक, राजीव कुमार सहायक शिक्षक, कमलकिशोर जाटव अध्यापक, गुंजन गुप्ता कार्यालय अधीक्षक, कल्पना कश्यप कार्यालय अधीक्षक, देवेन्द्र सिंह गुर्जर सहायक प्राध्यापक, मंगला मुले सहायक शिक्षक, मंजुलता जैन सहायक शिक्षक, विवेक सक्सेना सहायक लेखा अधिकारी, सौरभ भट्टाचार्य सहायक प्राध्यापक, अंगद सिंह गोझा सहायक प्राध्यापक, विमल गर्ग एसोसिएट प्रोफेसर, चंद्रशेखर मालवीय प्राध्यापक, विक्रम सिंह राजपूत ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफीसर, डॉ. मंजरी पण्डित प्रोफेसर, विपिन कुमार बंसल प्राध्यापक, प्रभात कुमार शर्मा प्राध्यापक, मेघा सालूंके लिपिक, मीरा देवी मिश्रा अध्यापक, महेन्द्र सिंह भदौरिया सहायक लेखापाल, गिरीश शर्मा प्राध्यापक, प्रज्ञा प्रधान ग्रंथपाल, ऋषभ सिंघल संभागीय लेखापाल, पंकज परिहार वरिष्ठ अध्यापक, साधवी चौहान शिक्षिका । नरेश रायकवार मंडी इंस्पेक्टर, नीता जैन सहायक संचालक, अमरीश सक्सेना अंकेक्षक, विजय रावत वाणिज्यकर

115 अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबन एवं सख्त वैधानिक कार्रवाई के नोटिस

अधिकारी, विजय श्रीवास्तव कराधान सहायक, राजकुमारी शर्मा प्राधानाध्यापक, प्रमोद कुमार सांघी शिक्षक, ज्योत्सना मेहरा व्याख्याता, सुरेन्द्र प्रताप सिकरवार अध्यापक, धर्मेन्द्र राणा अध्यापक, केदारलाल गर्ग उपयंत्री, मोहित जैन सहायक यंत्री, हरीचरण शर्मा उपयंत्री, मंजुलता सुमन अध्यापक, शिवकुमार शर्मा प्राध्यापक, नीतू बघेल अध्यापक, दिनेश कुमार सोमिल अध्यापक, सतीश चंदेल सहायक लेखा अधिकारी, मुकेशचंद्र दीक्षित ग्रामीण विस्तार कृषि अधिकारी, राधा बल्लभ शर्मा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, वीरेन्द्र सिंह यादव, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, सीतासरण दीक्षित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ए.के. पाण्डेय मानचित्रकार, बसंत राजौरिया उपयंत्री, एपीएस यादव उपयंत्री, रमेशचंद्र शर्मा शिक्षक, सीमा भार्गव अध्यापक, स्वाति चौहान शिक्षिका, अनामिका शुक्ला प्रधानाध्यापक, आलोक गौड़ लेखापाल, सरिता सक्सेना पर्यवेक्षक, अंजना दुबे पर्यवेक्षक, रहीश गौरी अध्यापक, अजय थोराट सहायक शिक्षक, पवन गुप्ता अध्यापक, राजीव शुक्ला सहायक ग्रेड-2, किशोरशरण सिंह अध्यापक, योगिता भटनागर प्रबंधक, महेन्द्र चौधरी सहायक प्राध्यापक, समीर गौरी शिक्षक, रमेश उपाध्याय पशु चिकित्सक, देवेश शर्मा अध्यापक, नवीन पाण्डेय मंडी निरीक्षक, अमृतलाल यादव सहायक उप निरीक्षक, देवेन्द्र श्रीवास्तव सहायक उप निरीक्षक, सम्भू कतरा उपयंत्री, दीपाली कुलश्रेष्ठ अध्यापक, राजेश कुमार अध्यापक, एम के उपरैया सहायक यंत्री, राजेश कनिष्ठ यंत्री, मार्तेन्ड प्रकाश सिरोलिया सहायक यंत्री, विजय कुमार श्रीवास्तव ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, नत्थीलाल शुक्ला सहायक उप निरीक्षक, शेष कुमार भार्गव मंडी सचिव, नंदकुमार तिवारी सहायक शिक्षक, संध्या सिंह अध्यापक । अशोक कुमार दीक्षित प्राचार्य, नीरज शिवहरे अध्यापक, चंद्रप्रकाश प्रजापति अध्यापक, कृष्णकुमार अवस्थी सहायक शिक्षक, नीलोफर असूरी वरिष्ठ व्याख्याता, अल्पना तंवर अध्यापक, कोमल प्रसाद पाठक प्रधानाध्यापक, हरीबाबू शर्मा सहायक आयुक्त, सर्वेश श्रीवास्तव व्याख्याता, अशोक शर्मा अति. उपसंचालक, राजेश भदौरिया लिपक, धर्मेन्द्र सिंह जादौन उपयंत्री, अजय शर्मा उपयंत्री, दिलिप बंसल बोघे अनुरेक्षक, सुविज्ञा अवस्थी प्रोफेसर, हेमन्त पाल पंचायत समन्वय अधिकारी, सौरभ जैन अध्यापक, अमिता सिंह वरिष्ठ अध्यापक, इन्दिरा शर्मा सहायक शिक्षिका, दिनेश शर्मा सहायक शिक्षक, नवल राजौरिया सहायक वर्ग-2, हरगोविंद अध्यापक, बी के दीक्षित उपयंत्री, निर्मला गुप्ता सहायक शिक्षिका, समीर मिश्रा व्याख्याता, राजकुमार गुप्ता प्रधानाध्यापक, अतुल कांत भटनागर व्याख्याता, सुमन गौड़ अपर डिवीजन क्लर्क, सुनील कुमार जाटव सहायक शिक्षक, सुरेन्द्र सिंह गुर्जर सहायक शिक्षक, कुलदीप सिंह राजपूत वरिष्ठ अध्यापक एवं एस के निमजे सहायक प्रबंधक ।

TOMAR ASSOCIATES
शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये
नवरात्री के अवसर पर
विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध
ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युक्त पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध हैं।
500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट
नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।
नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।
कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक
पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.
मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.
मुद्रक : भारत प्रिंटर्स, गिर्राज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

प्रेक्षकों की मौजूदगी में किया गया मतदान दलों का रेंडमाइजेशन

ग्वालियर। जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न कराने के लिये मतदान दलों का निर्धारण हो गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अनुमोदित कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के जरिए मतदान दलों का द्वितीय चरण का रेंडमाइजेशन किया गया। इस रेंडमाइजेशन के बाद यह तय हो गया है कि कौन से मतदान दल किस विधानसभा क्षेत्र में चुनाव करायेंगे। कौन सा मतदान दल किस मतदान केन्द्र पर मतदान करायेगा, इसका फैसला तृतीय चरण के रेंडमाइजेशन के बाद होगा। ज्ञात हो विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व एवं डबरा (अजा.) में कुल 1188 मतदान केन्द्र हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्रों से 30 प्रतिशत अधिक मतदान दल रेण्डमाइजेशन के बाद निर्धारित हुए हैं। अर्थात कुल 1546 मतदान दलों का रेण्डमाइजेशन किया गया है। सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर व 16-ग्वालियर पूर्व के प्रेक्षक श्री संजय सिन्हा व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 19-डबरा (अजा.) के प्रेक्षक श्री अजयनाथ झा तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की मौजूदगी में द्वितीय चरण के रेंडमाइजेशन की कार्यवाही की गई। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत एनआईसी के सूचना विज्ञान अधिकारी श्रीमती तृप्ति निगम ने कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के रेंडमाइजेशन कार्रवाई को अंजाम दिया।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ
पुष्पांजली टुडे
क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से सांय 6 बजे तक
डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु
नि:शुल्क
बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी
संपर्क सूत्र : 8269307478, 7999246560

PTV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944, 7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478